पटना ● शनिवार, 04 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः350 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

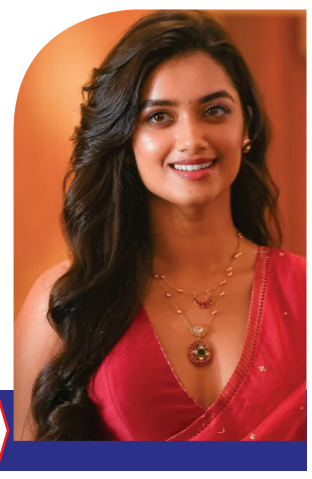

बीपीएससी के री-एक्जाम की माँग ... 3 www. bordernewsmirror.com राम पोथिनेनी- भाग्यश्री बोरसे... 7

विदेश जाने वालों को केंद्र को पर्सनल डेटा बताना होगा

● सरकार पूछेगी-यात्रा का खर्च किसने और कैसे उठाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार विदेश जाने वालों से 19 तरह की निजी जानकारियां लेगी। इसमें यात्री कब, कहां और कैसे यात्रा कर रहे हैं; इसका खर्च किसने और कैसे उठाया; कौन कब कितने बैग लेकर गया और किस सीट पर बैठा, जैसी जानकारियां ली

जाएंगी। यह डेटा 5 साल तक स्टोर रहेगा। जरूरत पड़ने पर इसे अन्य लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों के साथ भी साझा किया जा सकेगा। इसे 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। इसके लिए सभी एयरलाइंस को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह कदम तस्करी पर नजर रखने के लिए उठाया गया है। कस्टम डिपार्टमेंट समय-समय पर डेटा का एनालिसिस करेगा। किसी भी व्यक्ति की विदेश यात्रा में संदिग्ध पैटर्न नजर आने पर तुरंत जांच शुरू की।

महाकुंभ के पहले 10 जनवरी को प्रयाग आएंगी राष्ट्रपति

● प्रयागराज एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का कर सकती हैं लोकार्पण

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ के पहले देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन हा रहा है। अफसर तैयारियों में जुट गए हैं। वह यहां करी 3 घंटे रहेंगी। वह यहां गंगा पूजन कर महाकुंभ की औपचारिक शुरूआत करेंगी। इसके अलावा वह प्रयागराज एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का लोकार्पण भी कर सकती हैं जिसका ग्राउंड फ्लोर लगभग बनकर तैयार है लेकिन

अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं, राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए प्रदेश के मुख्यममंत्री योगी आदित्यनाथ कल शनिवार को प्रयागराज आ रहे हैं। वह राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को देखेंगे। राष्ट्रपति प्रयागराज आगमन के दौरान गंगा पूजन कर किले में स्थित अक्षयवट का भी दर्शन करेंगी। इसके साथ ही वह संविधान गैलरी समेत कई अन्य निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण कर सकती हैं। उनके आगमन को देखते हुए मुख्यमंत्री खुद प्रयागराज आएंगे।

बिना नक्शा पास कराए मकान बनाने पर घिरे बर्क

● मिला तीसरा नोटिस,बढ़ सकती हैं संभल के सपा सांसद की मुश्किलें

संभल (एजेंसी)। संभल सपा सासंद जिया उर्रहमान बर्क की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल इस बार उन्हें एसडीएम की तरफ से तीसरा नोटिस जारी किया गया है। एसडीएम संभल वंदना मिश्रा ने जारी नोटिस कर कहा है कि बर्क ने बिना नक्शा पास कराए मकान बनवाया है। यह इस संबंध में तीसरा नोटिस है। जब बर्क को पहला नोटिस जारी किया गया था तो उन्होंने समय मांगा। दूसरी बार में नोटिस के

जवाब में इन्होंने आपत्ति प्रस्तुत की। उस आपत्ति के समर्थन में सबूत पेश करने के लिए इन्हें तीसरा नोटिस जारी किया गया है। इस साक्ष्य के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। सपा सासंद जियाउर्रहमान बर्क को यह तीसरा नोटिस दिया गया है। वह अब तक दिए गए दो नोटिसों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। यदि इस बार अगर वो साक्ष्य या नोटिस के सही उत्तर नहीं दे पाएंगे तो बिना नक्शा पास कराए गए सपा सांसद के मकान पर बुलडोजर चल सकता है। हालांकि संभल हिंसा में सपा सांसद जिया उर्रहमान बर्क भी नामजद थे लेकिन उन्हें इलाहाबाद कोर्ट से गिरफ्तारी में राहत मिली है। 24 नंवबर को संभल में विवादित शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हिंसा हुई थी। उपद्रवियों ने यहां जमकर पथराव,आगजनी और गोलीबारी कर बवाल मचाया।

कासगंज के चंदन गुप्ता हत्याकांड में आ गया फैसला

सभी 28 दोषियों को उम्रकैद एनआईए कोर्ट ने सुनाई सजा

लखनऊ (एजेंसी)। कासगंज में गणतंत्र दिवस के मौके पर 2018 में तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता उर्फ अभिषेक गुप्ता की गोली मारकर हत्या के मामले में सभी 28 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एनआईए की विशेष अदालत के जज विवेकानंद सरन त्रिपाठी ने एक दिन पहले गुरुवार को ही सभी 28 आरोपियों को घटना का दोषी करार दिया था। उम्रकैद की सजा के साथ-साथ भारी जुर्माना लगाया गया है।

सभी को हत्या के लिए उम्रकैद के साथ ही तिरंगा के अपमान में तीन-तीन साल की सजा दी गई है। मुख्य आरोपी सलीम और छह अन्य को आर्म्स एक्ट में भी सजा सुनाई गई है।

जेल से लॉकअप गाड़ी ना आने की वजह से सभी दोषियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुना गया। गुरुवार को दोषी ठहराए गए और गैरहाजिर एक आरोपी सलीम ने सुबह अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। आरोपी असीम कुरैशी, नसरुद्दीन को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया था। सजा सुनाए जाने के दौरान 26 आरोपी व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित थे। आरोपी मुनाजिर रफी कासगंज जेल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुआ। वह एक अन्य मुकदमे में इस वक्त कासगंज जेल में बंद है। मुख्य आरोपी सलीम गैरहाजिर रहा। उसके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया गया था। सभी आरोपियों पर बलवा, नाजायज मजमा, ईंट पत्थर से चोट पहुंचाना, जानलेवा हमले, हत्या, गाली गलौज, जान माल की धमकी,देशद्रोह-ध्वज अपमान निवारण अधिनियम के आरोप तय कर विचारण किया गया है। कुल 12 गवाह पेश किए गए।

अन्ना यूनिवर्सिटी रेप केस

भाजपा ने स्टालिन सरकार के खिलाफ निकाली न्याय यात्रा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु महिला मोर्चा की अध्यक्ष उमराथी राजन, भाजपा विधायक डॉ. सी. सरस्वती, खुशबू सुंदर और कई महिला सदस्यों को हिरासत में लिया गया। चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग स्टूडेंट के रेप केस को लेकर भाजपा ने मदुरै से चेन्नई तक न्याय यात्रा निकाली। चेन्नई पहुंचने पर पुलिस ने रैली को रोक दिया और प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों को हिरासत में ले लिया। भाजपा महिला नेताओं ने कहा कि वे पीड़ित के लिए न्याय की मांग कर शांतिपूर्ण तरीके से रैली निकाल रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और कई महिला नेताओं को घर में नजरबंद भी किया। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी.एल. संतोष ने डीएमके सरकार की आलोचना की। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने एक्स पर नजरबंद की गई महिला नेताओं की फोटो अपलोड कीं। अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार में हिस्ट्रीशीटर और रेपिस्ट खुलेआम घूम रहे हैं लेकिन न्याय की मांग करने वाली भाजपा नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने लिखा-डीएमके सरकार अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए अत्याचार कर रही रही है।

मैंने पीड़ितों से माफी मांगी थी, आतंकवादियों से नहीं

विपक्ष को मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह की दो टूक

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने साफ कर दिया है कि उन्होंने सिर्फ पीड़ितों से माफी मांगी है,किसी और से नहीं। दरअसल, माफी मांगने पर कांग्रेस समक्ष कुछ विपक्षी दलों ने सीएम पर निशाना साधा था। शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय सचिव अजय कुमार भल्ला ने राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। सीएम सिंह कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। सीएम सिंह ने कहा, मैंने जो भी कहा वो माफी थी, जिसके जरिए मैंने पीड़ितों के प्रति दुख जाहिर किया था। वो लोग जो भुगत रहे हैं और वो लोग, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। उन्होंने कहा, मैं मानवीयता के चलते उनसे माफी मांग रहा था। मैं उन लोगों से माफी मांग रहा था, किसी और से नहीं। मैं क्यों आतंकवादियों से सॉरी बोलूंगा। नहीं, मैं माफी उन मासूमों से मांग रहा था, जिन लोगों ने अपने करीबियों को खो दिया और विस्थापित हो गए। नए राज्यपाल को लेकर उन्होंने कहा, मैं पूरे दिल से अजय भल्लाजी का स्वागत करता हूं। वह बहुत ही अच्छे व्यक्ति हैं, जो

भारत की और खासतौर से पूर्वोत्तर और मणिपुर की जमीनी हकीकत को जानते हैं। उन्होंने कहा, राज्य में राज्यपाल के तौर पर उनकी नियुक्ति के साथ मुझे भरोसा है कि स्थिति सामान्य होगी। मई 2023 से जारी राज्य में हिंसा को लेकर सीएम सिंह ने 2024 के आखिरी दिन हालात पर दुख जाहिर किया था और माफी मांगी थी। तब कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने माफी को लेकर घेरा था और कहा था कि यह काफी नहीं है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. कृष्णकुमार ने भल्ला को राज्यपाल पद की शपथ दिलाई। भल्ला ने मणिपुर राइफल्स के जवानों द्वारा दी गई सलामी गारद का निरीक्षण किया। सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह सचिव रहने वाले भल्ला ने पिछले वर्ष अगस्त में अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था। वह असम-मेघालय कैडर के 1984 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले महीने भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया था।

कट्टर बेईमान, शीशमहल और यह आपदा सरकार

पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी पर इस तरह कसा तंज

दिल्ली में 4500 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्लीवासियों को 4,500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 'हाउसिंग फॉर ऑल' के संकल्प के तहत दिल्ली के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को फ्लैट का चाबियां सौंपी। इस दौरान पीएम ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। पीएम मोदी ने कहा, ये साल को भारत का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा। 2025 में हमारी भूमिका सशक्त होगी। हम तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। आज जिन योजनाओं को शिलान्यास और उद्घाटन हुआ है, उसमें गरीबों के लिए घर हैं। मैं सभी भाइयों, बहनों, माताओं को बधाई देता हूं। उन्हें झुग्गी बस्ती की जगह अपना घर होगा। जिन्हें ये घर मिले हैं स्वाभिमान और आत्मसम्मान का घर है। आपकी खुशी का उत्सव का हिस्सा बनने ही आया हूं। अशोक विहार के रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज जब मैं यहां आया हूं, तो कई पुरानी यादें याद आना स्वाभाविक है।

युवाओं का एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही बीजेपी: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा से जुड़े विवाद को लेकर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी देश के युवाओं का भविष्य मिटा रही है। राहुल ने यह दावा भी किया कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ने के साथ ही लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। राहुल गांधी ने कहा, पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो परीक्षा समय पर नहीं होती। परीक्षा हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं।

सीरिया में इजरायली कमांडो ने मचाई तबाही

एयर डिफेंस हुआ फेल,ईरानी मिसाइल फैक्ट्री बर्बाद

इजरायल के सीक्रेट मिशन को लेकर बड़ा खुलासा

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल की सेना ने सीरिया में एक सीक्रेट मिशन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। इजरायल की सेना ने बताया कि सीरिया में बशर अल असद की सरकार रहने के दौरान उनके 120 कमांडो ने वहां जमकर तबाही मचाई थी। इजरायली कमांडो ने सीरिया में ईरान के सहयोग से जमीन के नीचे चलाए जा रहे मिसाइल फैक्ट्री को तबाह कर दिया। यह पूरा इजरायली सेना का मिशन 8 सितंबर 2024 को अंजाम दिया गया था लेकिन अब इसे सार्वजनिक किया गया है। इस सीक्रेट मिशन को ऑपरेशन मेनी वेज नाम दिया गया था। इजरायल ने कहा है कि यह ईरानी फैक्ट्री मसयफ इलाके में जमीन के काफी नीचे कई परतों में बनी हुई थी। इसे इजरायली सेना के चर्चित शालडाग यूनिट ने मात्र 3 घंटे में पूरा मिशन अंजाम दिया। इजरायली सेना ने बताया कि यहां से किलर मिसाइलें बनाकर उसे लेबनान में हिज्बुल्लाह और असद की सेना को भेजा जाता था। सबसे अहम बात यह रही कि इजरायली कमांडो 200 किमी तक अंदर घुसे।

कश्मीर का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर पड़ा होगा:गृहमंत्री

● अमित शाह बोले-शासकों को खुश करने के लिए लिखे गए इतिहास को मुक्त करने का वक्त आ गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर एंड लद्दाख थ्रू द एजेस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहा, हम जानते हैं कि कश्मीर को कश्यप की भूमि के नाम से जाना जाता है, शायद हो सकता है कि उनके नाम से कश्मीर का नाम पड़ा हो। इतिहासकारों ने कश्मीर का इतिहास पुस्तकों के जरिए बताने की कोशिश की। मेरी इतिहासकारों से अपील है कि प्रमाण के आधार पर इतिहास लिखें। उन्होंने कहा,150 साल का एक दौर था, जब इतिहास का मतलब दिल्ली दरीबा से बल्ली मारान तक और लुटियन से जिमखाना तक था। इतिहास यहीं तक सीमित था। यह समय शासकों को खुश करने के लिए लिखे गए इतिहास से खुद को मुक्त करने का है। मैं इतिहासकारों से अपील करता हूं कि वे हमारे हजारों साल पुराने इतिहास को तथ्यों के साथ लिखें। शाह ने कहा, कश्मीर का भारत से न टूटने वाला जोड़ है।

अब बड़ा मुस्लिम देश भी खरीदेगा ब्रह्मोस मिसाइल

● वियतनाम और फिलीपींस के बाद होगा एक और समझौता ● भारत आ रहे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो करेंगे यह डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों की दुनिया भर में डिमांड बढ़ रही है। कभी हथियारों के सबसे बड़े आयातक रहे भारत के लिए यह बड़ी सफलता है। इस बीच इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी रिपब्लिक डे के मौके पर भारत आ रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश के राष्ट्राध्यक्ष के साथ भारत कई समझौते कर सकता है। इनमें से एक समझौता ब्रह्मोस मिसाइलों को लेकर भी होने वाला है। भारत और रूस ने मिलकर इन मिसाइलों को तैयार किया है, जिनकी डिमांड कई देशों से की गई है। माना जा रहा है कि इस दौरे में इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर करार करेंगे और अगले कुछ सालों में उन्हें डिलिवरी दी जाएगी। इंडोनेशिया के 400 सैनिक भी दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेंगे। यह भी ऐतिहासिक है क्योंकि आज तक किसी भी मेहमान देश ने इतने सैनिकों

को गणतंत्र की परेड में हिस्सा लेने के लिए नहीं भेजा है। दक्षिण पूर्व एशिया में इंडोनेशिया ऐसा तीसरा देश है, जो भारत से ब्रह्मोस मिसाइलों की डील करेगा। इससे पहले फिलीपींस ने भारत से इन मिसाइलों को खरीदा है। इसके अलावा वियतनाम ने मिसाइलों की खरीद के लिए डील फाइनल की है। 2020 में प्रबोवो सुबियांतो रक्षा मंत्री के तौर पर भारत आए थे। कहा जा रहा है कि इस दौरान उनकी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई थी और उन्होंने मिसाइलों को खरीदने की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन इंडोनेशिया के पास बजट की कमी के चलते इसे टाल दिया गया था। अब प्रबोवो सुबियांतो खुद सत्ता में हैं और पहला साल वह जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समर्पित करना चाहते हैं। ऐसे में नए वित्त वर्ष में वह हथियारों की खरीद कर सकते हैं। इंडोनेशिया के साथ भारत के काफी अच्छे संबंध रहे हैं। भले ही इंडोनेशिया दुनिया की सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश है, लेकिन सांस्कृतिक तौर पर वहां सनातन के प्रतीक पाए जाते रहे हैं। इसके कारण से भी इंडोनेशिया और भारत के बीच करीबी रही है। इसके अलावा इंडो-आसियान समिट का भी इंडोनेशिया एक अहम साझीदार रहा है। भारत के लिहाज से देखें तो ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों की कई देशों से डिमांड होना उत्साहजनक है।

मुजफ्फरपुर से उधना के लिए चलेगी स्पेशल रेल पटना से आनंद विहार टर्मिनल चलाने का फैसला

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। रेल यात्रियों की सुविधाजनक आवाजाही के लिए पटना से आनंद विहार टर्मिनल,गया से कोयंबत्तूर व मुजफ्फरपुर से पुणे और सिकंदराबाद के मध्य स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर से उधना के लिए एक वन-वे स्पेशल का भी परिचालन किया जाएगा। इसकी जानकारी पूर्व मध्य रेल हाजीपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने दी है।

1. गाड़ी सं. 03255/03256 पटना-आनंद विहार टर्मिनस-पटना स्पेशल ट्रेनः गाड़ी संख्या 03255 पटना-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 2.01.2025 से अगले आदेश तक (दिनांक 12.01.2025, 30.01.2025, 02.02.2025 एवं 13.02.2025 को छोड़कर) पटना से रविवार और गुरुवार को आनंद विहार टर्मिनस के लिए किया जाएगा। पटना से यह स्पेशल ट्रेन 22.20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 18.35 बजे आनंद विहार टर्मिनस पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 03256 आनंद विहार टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 3.01.2025 से अगले आदेश तक (दिनांक 13.01.2025, 31.01.2025, 03.02.2025 एवं 14.02.2025 को छोड़कर) आनंद विहार टर्मिनस से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को पटना के लिए किया जाएगा । आनंद विहार टर्मिनस से यह स्पेशल ट्रेन 23.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 18.35 बजे आनंद विहार टर्मिनस पहुंचेगी। अप व डाउन दिशा में यह ट्रेन दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जं, और गोविंदपुरी स्टेशनों पर रूकेगी।

2. गाड़ी सं. 03679/03680 गया-कोयंबत्तूर-गया साप्ताहिक स्पेशल (प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-वरंगल-विजयवाड़ा-काटपाडी-सेलम के रास्ते) - गाड़ी सं. 03679 गया-कोयंबत्तूर साप्ताहिक स्पेशल का परिचालन 4.01.2025 से अगले आदेश तक (दिनांक 11.01.2025, 25.01.2025, 01.02.2025 व 08.02.2025 को छोड़कर) गया से प्रत्येक शनिवार को 19.35 बजे खुलकर 20.21 बजे अनुग्रह नारायण रोड, 20.56 बजे सासाराम, 21.30 बजे भभुआ रोड, 22.40 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए सोमवार को 18.30 बजे कोयंबत्तूर पहुंचेगी ।

भभुआ-सासाराम होकर चलेगी ट्रेन

वापसी में, गाड़ी सं. 03680 कोयंबत्तूर-गया साप्ताहिक स्पेशल का परिचालन 7.01.2025 से अगले आदेश तक (दिनांक 14.01.2025, 28.01.2025, 04.02.2025 और 11.02.2025 को छोड़कर) कोयंबत्तूर से प्रत्येक मंगलवार को 07.50 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए गुरुवार को 05.05 बजे डीडीयू, 05.56 बजे भभुआ रोड, 06.30 बजे सासाराम और 7.03 बजे अनुग्रह नारायण रोड रुकते हुए 9.15 बजे गया पहुंचेगी।

3. गाड़ी सं. 05293/05294 मुजफ्फरपुर-सिकंदराबाद-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशलः- गाड़ी संख्या 05293 मुजफ्फरपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस स्पेशल का परिचालन दिनांक 07.01.2025 से अगले आदेश तक प्रत्येक मंगलवार को (दिनांक 14.01.2025, 28.01.2025, 04.02.2025, 11.02.2025 और 25.02.2025 को छोड़कर) किया जाएगा। मुजफ्फरपुर से यह स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को 10.40 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए बुधवार को 23.50 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 05294 सिकंदराबाद-मुजफ्फरपुर स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 09.01.2025 से अगले आदेश तक प्रत्येक गुरूवार को (दिनांक 16.01.2025, 30.01.2025, 06.02.2025, 13.02.2025 तथा 27.02.2025 को छोड़कर) किया जाएगा। सिकंदराबाद से यह स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरूवार को 3.55 बजे प्रस्थान कर शुक्रवार को 17.00 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी।

अलग-अलग स्टेशन पर रुक कर पहुंचेगी पुणे

4. गाड़ी सं. 05289/05290 मुजफ्फरपुर-पुणे-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशलः- गाड़ी संख्या 05289 मुजफ्फरपुर-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 06.01.2025 से अगले आदेश तक प्रत्येक सोमवार को (दिनांक 13.01.2025, 27.01.2025, 03.02.2025, 10.02.2025 और 24.02.2025 को छोड़कर) किया जाएगा। मुजफ्फरपुर से यह स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को 19.25 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए बुधवार को 06.25 बजे पुणे पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05290 पुणे-मुजफ्फरपुर स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 8.01.2025 से अगले आदेश तक प्रत्येक बुधवार को (दिनांक 15.01.2025, 29.01.2025, 05.02.2025, 12.02.2025 तथा 26.02.2025 को छोड़कर) किया जाएगा । पुणे से यह स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 10 बजे प्रस्थान कर गुरूवार को 21.50 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी।

5. गाड़ी सं. 05299 मुजफ्फरपुर-उधना वन-वे स्पेशलः गाड़ी संख्या 05299 मुजफ्फरपुर-उधना वन-वे स्पेशल दिनांक 04.01.2025 को मुजफ्फरपुर से 13.30 बजे प्रस्थान कर 14.30 बजे हाजीपुर, 15.40 बजे पाटलिपुत्र, 16.13 बजे दानापुर, 16.43 बजे आरा, 17.28 बजे बक्सर, 19.15 बजे डीडीयू रूकते हुए अगले दिन 19.30 बजे उधना पहुंचेगी।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में अवैध हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

● देसी पिस्टल लेकर फैला रहा था दहशत, पुलिस ने पीछा कर पकड़ा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के मानपुर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। मानपुर थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि मानपुर थाना पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली कि ग्राम लालू नगर में एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है और क्षेत्र में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल कार्रवाई के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने लालू नगर में लालेन्द्र कुमार को देसी पिस्तौल के साथ देखा। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन पुलिस ने करीब 200 मीटर तक पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लालेन्द्र कुमार (पिता- मणि यादव) के रूप में हुई है, जो लालू नगर, थाना मानपुर का रहने वाला है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2021 में इस पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस सफल कार्रवाई में थानाध्यक्ष सुमन कुमार के नेतृत्व में एसआई सुरेन्द्र कुमार दिवाकर एवं सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही। इस संबंध में मानपुर थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अवैध हथियारों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से भी अवैध हथियारों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

फायरिंग करने वाले बदमाशों को भीड़ ने पीटा

● नालंदा में बर्तन दुकानदार से हुआ था विवाद, तीन मौके से हुए फरार

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के मुरौरा गांव में गुरुवार को फायरिंग हुई। घटना में दो बदमाशों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी। मुरौरा गांव निवासी राहुल कुमार की बर्तन दुकान पर 5 बदमाश आए थे। इन बदमाशों में बिन्द थाना क्षेत्र निवासी जयपाल यादव और मानपुर थाना क्षेत्र निवासी राहुल कुमार भी शामिल थे। दुकानदार से किसी बात को लेकर इन बदमाशों का विवाद हो गया और उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। दहशत फैलाने के लिए इन्होंने फायरिंग भी की। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। भाग रहे दो बदमाशों को पकड़ लिया। भीड़ ने इन दोनों बदमाशों की जमकर धुनाई की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

जल्द ही अन्य बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा : दुकानदार राहुल कुमार ने पांचों बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने जयपाल की जेब से एक कारतूस बरामद किया है। पुलिस अन्य फरार बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। इस घटना से स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। यदि पुलिस समय पर नहीं पहुंची होती तो बदमाश मॉब लिंचिंग का शिकार भी हो सकते थे। सदर डीएसपी नुरुल हक ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों बदमाशों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही अन्य फरार बदमाशों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छात्रा की मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज: दादी के बयान पर 2 भाइयों पर खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के पवना थाना क्षेत्र के पहरपुर गांव में छात्रा की संदेहास्पद परिस्थिति में हुई मौत के मामले में प्राथमिकी करा दी गई हो गई है। मृतक छात्रा की दादी के बयान पर हुई प्राथमिकी में पहरपुर गांव निवासी युवक मनीष कुमार एवं उसके भाई रवि कुमार को नामजद आरोपित किया गया है। प्राथमिकी में खुदकुशी के लिए प्रेरित व मजबूर करने का आरोप लगाया है। मनीष पर आरोप है कि वह उनकी पोती को हमेशा तंग करता था।

छेड़खानी की नीयत से पीछा करता था। उसके भाई पर गाली-गलौज करने का आरोप है। 15 वर्षीय मृत छात्रा पहरपुर गांव की निवासी थी। मृतका के शरीर पर कोई भी बाहरी जख्म नहीं पाया गया था। वह आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। शव के पोस्टमार्टम के दौरान डाक्टर ने बिसरा प्रिर्जव कर दिया है। वैज्ञानिक विधि से भी जांच चल रही है। पुलिस सूत्रों की मानें तो लड़की और युवक दोनों पूर्व से परिचित थे। दोनों के बीच बातचीत भी होती थी। शुरुआती जांच में इस घटना को कथित रूप से प्रेम-प्रसंग से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

दूसरी ओर,पिटाई से घायल युवक के पिता राजेश यादव ने संबंधित थाना में मृत छात्रा के पिता संजय सिंह, दादा बीरबल यादव एवं भाई पवन कुमार के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई गई थी जिसके आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मृत छात्रा के दादा बीरबल यादव एवं भाई पवन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। घायल युवक के पिता ने पकड़कर घर में मारपीट करने का आरोप लगाया है। मालूम हो कि मंगलवार की रात छत पर संदेहास्पद हालत में पकड़े गए युवक की बेरहमी पूर्वक पिटाई कर दी गई थी।

बाद में दूसरे दिन बुधवार को छात्रा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। एफएसएल की टीम ने घर पहुंच प्रदर्श जब्त किया था। पिटाई से घायल युवक मनीष कुमार पहरपुर गांव निवासी राजेश यादव का पुत्र है। इलाज पटना में चल रहा है। 31 दिसंबर 2024 की देर रात छत पर लड़की से मिलने गए युवक मनीष की पिटाई कर दी गई थी।

पुलिस ने महिलाओं को जड़ा मुक्का, लाठी से भी पीटा, पथराव के बाद जेसीबी से दरवाजा उखाड़कर अंदर घुसी पुलिस

जमीन विवाद सुलझाने पहुंचे थे

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में जमीन विवाद सुलझाने गई पुलिस पर घर के अंदर से पथराव किया गया। इसके बाद पुलिस ने घर का दरवाजा जेसीबी तोड़ा और अंदर घुसी। इस दौरान पुलिस ने घर में मौजूद महिलाओं को लाठी पीटा। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के मुंह पर मुक्का भी जड़ा। बताया जाता है कि घर के अंदर जाने पर कुत्ते ने थानेदार को काट लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना गुरुवार की शाम पीरो थाना इलाके के वार्ड नंबर14 की है। पथराव में दो पुलिसकर्मियों और एक राहगीर को हल्की चोटें आई हैं। हंगामे के दौरान पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार को कुत्ते ने काटकर जख्मी कर दिया। सभी का इलाज पीरो अस्पताल में कराया गया है।

पीरो के सीओ लखेंद्र कुमार ने बताया कि 10 डिसमिल जमीन को लेकर दो रिश्तेदारों में काफी वक्त से विवाद चल रहा था। जमीन कलावती देवी से पीरो निवासी रामाधार प्रसाद ने खरीदी है, जिसका दाखिल खारिज भी हो चुका है। इस मामले में कलावती देवी के देवर त्रिवेणी प्रसाद और उनके परिवार के लोगों ने जमीन को अपना बताते हुए कोर्ट में केस किया था। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया है। रामाधार प्रसाद ने जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया था। उनके आवेदन पर गुरुवार को वे पुलिस बल के साथ जमीन का सीमांकन कराने गए थे। पुलिस की टीम जेसीबी और ट्रैक्टर पर ईंट समेत दीवार जोड़ने का अन्य सामान लेकर मौके पर पहुंची। त्रिवेणी प्रसाद का घर अंदर से बंद था। पुलिस के मुताबिक जब गेट को खोलने की कोशिश की गई तो पथराव शुरू कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने जेसीबी से मेन गेट को उखाड़ दिया और घर के अंदर गई। उसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। पुलिस ने इस मामले में महिला समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है। सीओ ने जमीन का सीमांकन कर पुलिस टीम की मौजूदगी में वहां दीवार बनाकर घेराबंदी कराई। मौके पर करीब दो घंटे तक अफरा तफरी की स्थिति बनी रही। पीरो अनुमंडल के सीओ लखेंद्र कुमार ने बताया कि इस मामले में अलग अलग तीन प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस मामले में एक को अरेस्ट किया गया है।

चांदनी चौक पर अवैध रूप से खड़े ट्रक से टकराई कार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। चांदनी चौक के पास फोरलेन पर अवैध रूप से खड़े रहने वाले ट्रकों के कारण बुधवार देर रात कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रक से कार के टकराने से उसपर सवार मनियारी के दो युवक जख्मी हो गए। एक की स्थिति गंभीर देखते हुए पुलिस के सहयोग से अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, गुरुवार को इस मामले में कार सवार या ट्रक ओनर ने ब्रह्मपुरा थाने में शिकायत नहीं की गई। ब्रह्मपुरा थानेदार सुभाष मुखिया ने बताया कि कार सवार जख्मी युवकों ने एफआईआर कराने से इंकार कर दिया है।

जॉइनिंग से पहले रिटायर हो गई महिला टीचर, बिहार में गजब हुआ

जमुई, एजेंसी। बिहार में एक महिला टीचर जॉइनिंग से पहले ही रिटायर हो गईं। चौंका देने वाला यह मामला जमुई जिले का है। महिला शिक्षिका का नाम अनिता कुमारी बताया जा रहा है। शिक्षिका अनिता कुमारी खैरा प्रखंड इलाके में स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय शोभाखान में कार्यरत थी। नियोजित शिक्षिका अनिता कुमारी ने सक्षमता परीक्षा पास कर ली है। ऐसे में अब उन्हें विशिष्ट शिक्षक के तौर पर योगदान देना था। जिसके लिए उन्हें नियुक्ति पत्र भी मिला था। पिछले साल 30 दिसंबर को अनिता कुमारी को यह जॉइनिंग लेटर मिला था। इस नियुक्ति पत्र में कहा गया था कि 1 से 7 जनवरी 2025 के बीच उन्हें उसी विद्यालय में विशिष्ट टीचर के तौर पर योगदान देना है। लेकिन इस मामले में ट्विस्ट तब आ गया जब अनिता कुमारी 31 दिसंबर को ही रिटायर हो गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अनिता कुमारी ने साल 2006 में पंचायत टीचर के तौर पर ज्वाइन किया था। इसके बाद उन्होंने टीईटी की परीक्षा पास कर ली और वो हाई स्कूल की शिक्षिका बन गईं। जब बिहार सरकार ने सक्षमता परीक्षा पास करने की अनिवार्यता लागू कर दी तब अनिता ने साल 2024 में यह भी परीक्षा पास कर ली। नियमों के मुताबिक, इस परीक्षा को पास करने के बाद अनिता कुमारी विशिष्ट शिक्षक बन तो गईं लेकिन 31 दिसंबर 2024 को उन्होंने 60 साल की उम्र पार कर ली और इसी वजह से वो रिटायर हो गईं। स्कूल में विदाई समारोह आयोजित कर अनिता कुमारी को टीचरों और छात्रों ने विदाई भी दे दी। नियम यह भी कहता है कि किसी टीचर की आयु 60 वर्ष पूरी होने के बाद उन्हें रिटायरमेंट दी जाती है। अनिता कुमारी को सक्षमता परीक्षा पास करने पर नियमों के मुताबिक ही विशिष्ट शिक्षक का नियुक्ति पत्र मिला था। लेकिन 60 वर्ष की उम्र पूरी हो जाने की वजह से वो जॉइनिंग से पहले ही रिटायर हो गई हैं।

यौन शोषण करने का लगाया आरोप

प्रेमिका ने जमुई में बॉयफ्रेंड के घर डाला डेरा, पटना-दिल्ली और चेन्नई में साथ रहने के बाद शादी से मुकरा

जमुई, एजेंसी। करियोडीह गांव की रहने वाली अर्चना को पहले सत्यम कुमार से प्यार होता है। इसके बाद दोनों शादी भी करते है। इसके बाद अचानक धोखा मिलने पर अर्चना दर-दर भटकने को मजबूर हो जाती है। अब न्याय के लिए पुलिस अधिकारियों और थाना का चक्कर लगा रही है।

2020 में पटना से शुरू हुई थी प्यार की कहानी : अर्चना ने जानकारी देते हुए कहा कि 4 साल पहले 2020 में उसकी मुलाकात जमुई के खैरा प्रखंड निवासी सत्यम कुमार से पटना में हुई थी। वहां सत्यम प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था। वह पार्ट टाइम जॉब करती थी। एक दूसरे से मुलाकात होने के बाद दोनों को प्यार हो गया। इसके बाद साल 2022 में पटना के एक मंदिर में उन दोनों ने शादी कर ली। वहां से सत्यम काम करने के लिए चेन्नई चला गया और अर्चना दिल्ली चली गई।

चेन्नई में एक साल तक दोनों लिव-इन में रहे : एक साल बाद सत्यम ने अर्चना को चेन्नई बुला लिया। वहां उसके भैया-भाभी रहते थे। चेन्नई में एक साल तक दोनों लिव-इन में रहे। इस बीच अचानक सत्यम ने उसको धोखा दे दिया और घर से बाहर निकाल दिया। इसके साथ ही मारपीट कर शादी के फोटो-वीडियो डिलीट कर दिया। अब अर्चना चेन्नई से 1927 किलोमीटर दूर जमुई पहुंच गई है। वहां सत्यम के घर में रहने के साथ ही मामले की जानकारी जमुई एसपी को वॉट्सऐप के माध्यम से दे चुकी है।

अर्चना ने सत्यम पर यौन शोषण करने का लगाया आरोप : अर्चना ने आरोप लगाते हुए कहा कि सत्यम ने उसके साथ यौन शोषण किया है। उसने रिश्ते को लेकर कुछ भी अपने फैमिली को नहीं बताया था। जब उसकी शादी की बात सामने आई तो उसने धोखा देकर घर से बाहर निकाल दिया। सत्यम के पिता की मौत हो चुकी है। जमुई में उसके दादा, भैया-भाभी और अन्य लोग रहते है। वहीं उसके दादा नटरीन सिंह ने कहा कि उनको अर्चना के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है। छठ पूजा के समय सत्यम की शादी करने की बात तय हुई थी। उस समय उसने कुछ भी नहीं बताया था। अब अचानक एक लड़की आ गई है और कह रही है कि वह सत्यम की पत्नी है। चेन्नई में भी इसने थाने में शिकायत की थी। इसको जब वहां पुलिस खोजने लगी तो भाग गई।

एसपी ने कहा-शिकायत मिली है, जांच कर कार्रवाई होगी : मामले को लेकर जमुई एसपी मदन कुमार आनंद ने कहा कि लड़की की ओर से वॉट्सऐप पर शिकायत की गई है। खैरा थाना इलाके के एक लड़के के साथ कथित तौर पर शादी की बात कही जा रही है। खैरा थाना प्रभारी को जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

बीपीएससी के री-एक्जाम की माँग को लेकर रोकी रेलगाड़ी

सरकार 70वी बीपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करते हुए पुनः निष्पक्ष व पारदर्शी कराए परीक्षा- छात्र युवाशक्ति

बीएनएम। मोतिहारी

70वी बीपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करते हुए पुनः नये सिरे से निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा कराने कि माँग को लेकर सांसद पप्पू यादव के निर्देशानुसार सांसद पप्पू यादव के समर्थक छात्र युवाशक्ति के कार्यकर्ताओ द्वारा शुक्रवार को बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर सप्तक्रांति एक्सप्रेस को रोककर प्रदर्शन किया। इस दौरान बिहार सरकार और बीपीएससी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कि गयी। उक्त मौके पर प्रेस को सम्बोधित करते हुए पप्पू यादव के समर्थक सह जाप के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने कहा कि बिहार का कोई भी प्रतियोगी परीक्षा पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से नहीं हो पाता है। सभी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो जाना बिहार के छात्रों के भविष्य पर कुठाराघात है। श्री सिंह ने कहा कि सरकार में बैठे अधिकारियों द्वारा बड़े-बड़े माफियाओं, नेताओ और पैसे वालो से मोटी रकम लेकर मेहनती और मेघावी छात्रों के हक और अधिकार को बेचा जाता है जो बर्दाश्त योग्य नही है। श्री सिंह ने कहा कि यह लड़ाई बिहार के छात्र युवाओं के भविष्य को बचाने कि लड़ाई है। यह लड़ाई सभी छात्र युवाओं के हक और अधिकार कि लड़ाई है। कहा कि यह लड़ाई बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ है तथा सिस्टम में बैठे शिक्षा माफियाओं के खिलाफ है। हम सभी छात्र-युवाओं के इस लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिए संकल्पित है जब तक बीपीएससी के छात्रों को न्याय नहीं मिलता आंदोलन जारी रहेगा। पूर्व प्रदेश महासचिव मोख्तार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जिस तरीके से सरकार अपने हक और अधिकार कि माँग करने पर निहत्थे छात्रों पर बर्बरतापूर्वक लाठी चला रही है वो बिहार के इतिहास के काले अक्षरों में लिखा जायेगा। सरकार से अविलंब बीपीएससी अभ्यर्थियों कि मांगों को मानते हुए पुनः नये सिरे से निष्पक्ष परीक्षा कराने कि माँग करते है। वहीं छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ ने कहा कि बिहार सरकार बिहार के सारे प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक कराने का ठेका ले चुकी है। बिहार में बिना पेपर लीक हुई, कोई भी प्रतियोगी परीक्षा हो ही नहीं सकती है। प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक होना अब बिहार के लिए पर्याय बन चुका है। कहा कि बिहार सरकार के मुखिया अपने नवरत्न अधिकारियों कि करतूत को छिपाने के लिए धृतराष्ट्र कि तरह बैठे हुए है। छात्र नेता श्री सिंह ने कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर पिछले पंद्रह दिनों से सत्याग्रह कर रहे है। वही सरकार उनकी मांगो को मानने के बजाय निहत्थे छात्रों पर बर्बरता पूर्वक लाठियां चलवा रही है, जिसका कड़े शब्दों में निंदा करते है। छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ ने कहा कि बीपीएससी द्वारा करोड़ो रूपये में बिहार के गरीब,मेहनती और मेघावी छात्रों के हक और अधिकार को बेचा गया है। छात्र नेता श्री सिंह ने सरकार से अविलम्ब बीपीएससी 70वी कि प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करते हुए पुनः निष्पक्ष तरीके से परीक्षा कराने तथा बीपीएससी 70 के प्रारंभिक परीक्षा में हुई गड़बड़ी कि उच्च न्यायालय के रिटायर्ड न्यायाधीश के नेतृत्व में उच्चस्तरीय जाँच कराने के साथ-साथ बीपीएससी अध्यक्ष रवि मनु भाई परमार को हटाने कि माँग किया है। सांसद पप्पू यादव और छात्र युवाशक्ति संगठन बिहार के छात्रों के लड़ाई में पूरी मजबूती से उनके साथ है और सरकार जब तक छात्रों की मांगों की नहीं मानती तब तक छात्रों को न्याय दिलाने के लिए चरणबद्ध आंदोलन होगा। रेल चक्का जाम में ढाका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह जाप के पूर्व प्रदेश प्रधानमहासचिव अभिजीत सिंह, पूर्व प्रदेश महासचिव सह पिपरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अंकुश कुमार सिंह, पूर्व प्रदेश सचिव धीरज सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़, युवाशक्ति के प्रदेश महासचिव मणिभूषण राय, युवा के पूर्व प्रदेश महासचिव नुरैन आलम, पूर्व युवा जिलाध्यक्ष रौनक त्यागी, पूर्व छात्र जिलाध्यक्ष पुत्नू सिंह, छात्र नेता शहबाज कमर, युवा नेता अनिरुद्ध यादव, आशिक आलम, नवनीत यादव, भूषण कुमार, रामनरेश राम, ब्रजेश कुमार, अनिकेत यादव, राजन सहनी, दीपू कुमार, इंतजार आलम, दीपू कुमार, विक्की कुमार सिंह, आशिक सिंह, अवनीश यादव सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

अरेराज डीएसपी रंजन कुमार और थानाध्यक्ष रक्तदान कर किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी। रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के सौजन्य से जिले के सभी अनुमंडल में वैन भेजा गया है। जिसमें रक्त संग्रह करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अरेराज में शुक्रवार को अरेराज हॉस्पिटल कैम्पस में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के सौजन्य से किया गया। वहीं रक्तदान महादान को चरितार्थ करते हुए डीएसपी रंजन कुमार एवं अरेराज थाना अध्यक्ष विभा कुमारी ने स्वेच्छा से रक्तदान करते हुए अरेराज में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का विधिवत उद्घाटन किया। वहीं अनुमंडल प्रशासन के ओर से पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मीयों ने स्वैच्छिक रक्तदान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए रक्तदान किया, जिन्हें अल्पाहार एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। बिहार राज्य रक्तदान परिषद के कई सहयोगी मौजूद रहे, अरेराज अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी उज्जवल प्रताप ने बताया कि यह कैंप मोतिहारी सहित सभी अनुमंडल में लगाया गया है लेकिन सभी जगह में अरेराज में 51 लोगों यूनिट रक्तदान किया गया है। उन्होंने बताया की स्वस्थ व्यक्ति को ही रक्तदान करना है इस बात का ध्यान रखा जा रहा है।उन्होंने बताया की अभी भी रक्तदान चल रहा है। 4 :30 तक यहाँ रक्तदान चला है और डीएसपी रंजन कुमार ने कहा की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है उन्होंने कहा की युवाओं व आम लोगों को रक्तदान हेतु आगे आने की है जरूरत है, हर स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में एकबार जरूर रक्तदान करना चाहिए। एक यूनिट रक्तदान करने से किसी प्रकार की कोई तकलीफ या कमजोरी नहीं होती है। उन्होंने बताया की रक्त की कमी से से जूझ रहें लोगों को रक्त आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने समाजिक संगठनों, युवाओं व आम लोगों से रक्तदान करने की अपील की।

18 जनवरी को होगी उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना का वाद-विवाद प्रतियोगिता

बीएनएम। मोतिहारी। उर्दू निदेशालय मंत्रिमंडल सचिवालय पटना के निर्देश पर उर्दू भाषा कोषांग के तत्वधान में उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना का जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 18 जनवरी को टाउन हॉल मोतिहारी के सभागार में होगा। उक्त कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत सभी संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। जिसमें मैट्रिक, इंटर, स्नातक या उसके समकक्ष सभी विधार्थी शामिल होंगे। बिहार स्टेट टीचर्स एसोसिएशन (गोप गुट) के जिला सचिव सह उच्च माध्यमिक विद्यालय नकरदेई के प्रधानाध्यापक मो. सैदुल्लाह अंसारी ने बताया कि सभी कक्षा के लिए अलग-अलग शीर्षक और प्रोत्साहन राशि निर्धारित है। मैट्रिक या समकक्ष वर्ग समूह के लिए शीर्षक "नज़्म और रूबाई की तारीफ़" या "जल जीवन हरियाली" जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 4500 रुपए, दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले तीन प्रतिभागियों को 3500-3500 रुपए तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले चार प्रतिभागियों को 2500-2500 रुपए। वहीं इंटर या समकक्ष वर्ग समूह के लिए शीर्षक "अफसाना निगरी एक जाम या "ग्लोबल वार्मिंग" के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 5500 रुपए दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले तीन प्रतिभागियों को 4500-4500 रुपए तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले चार प्रतिभागियों को 3500-3500 रुपए। वहीं स्नातक या समकक्ष वर्ग समूह के लिए शीर्षक "नाविल निगारी आगाज़ व ईर्तीका या "तालीम निस्वा की अहमियत व अदाफियत" रखा गया है जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 6500 रुपए दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले तीन प्रतिभागियों को 5500-5500 रुपए दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले चार प्रतिभागियों को 4500-4500 रुपए प्रोत्साहन राशि दिए जाएंगे। उक्त कार्यक्रम की जानकारी उर्दू भाषा कोषांग पदाधिकरी हैदर इमाम अंसारी ने उर्दू भाषा के विकास में विशेष योगदान के लिए श्री अंसारी को नव वर्ष 2025 के लिए प्रकाशित जिला उर्दूनामा भेंट के दौरान दी।

डीएम, एसपी ने रक्तदान कर पुलिस लाइन में किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

- बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के द्वारा उपलब्ध वैन द्वारा संचालित हो रहा है रक्तदान शिविर
- जिले के सभी छः अनुमंडलो में होना है रक्तदान शिविर का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के सौजन्य से जिले में वैन भेजा गया है। जिसमें रक्त संग्रह करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। शुक्रवार को मोतिहारी पुलिस लाइन के मैदान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के सौजन्य से किया गया। वहीं रक्तदान महादान को चरितार्थ करते हुए जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरभ जोरवाल एवं जिला पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्वेच्छा से रक्तदान करते हुए पूर्वी चंपारण में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का विधिवत उद्घाटन किया, जिसमें जिला प्रशासन के ओर से पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मीयों ने स्वैच्छिक रक्तदान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए रक्तदान किया, जिन्हें अल्पाहार एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। बिहार राज्य रक्तधान परिषद के सह अध्यक्ष प्रतिभा रानी ने बताया की पूर्वी चम्पारण जिले के सभी छः अनुमंडल अरेराज, चकिया, मोतिहारी, पकड़ीदयाल, रक्सौल, सिकरहना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाना है। सदर अस्पताल के स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे ने बताया की 02 बजे तक पुलिस लाईन में 35 यूनिट एवं एसएसबी कैंप में 31 यूनिट रक्तदान किया गया है। उन्होंने बताया की स्वस्थ व्यक्ति को ही रक्तदान करना है, इस बात का ध्यान रखा जा रहा है।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं:- डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है उन्होंने कहा की युवाओं व आम लोगों को रक्तदान हेतु आगे आने की है जरूरत है। हर स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में एकबार जरूर रक्तदान करना चाहिए। एक यूनिट रक्तदान करने से किसी प्रकार की कोई तकलीफ या कमजोरी नहीं होती है। उन्होंने बताया की रक्त की कमी से जूझ रहें लोगों को रक्त आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने समाजिक संगठनों, युवाओं व आम लोगों से रक्तदान करने की अपील की। वहीं एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा की डिलीवरी, दुर्घटनाग्रस्त, गंभीर एनीमिया ग्रस्त या गंभीर बिमारियों से ग्रस्त लोगों को रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है, इसलिए लोगों को रक्तदान में आगे आना चाहिए।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया रैन बसेरा का निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के छतौनी स्थित बस स्टैंड में अवस्थित रैन बसेरा का शुक्रवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी सौरभ सुमन यादव भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा वहां उपस्थित लोगों से बात कर वहां की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी के द्वारा कंबल एवं बिस्तर की गुणवत्ता, पेयजल के लिए उपलब्ध कराए गए आरओ की गुणवत्ता, शौचालय की साफ-सफाई सहित रैन बसेरा की साफ-सफाई की जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने स्वयं से शौचालय की सफाई का जायजा लिया और जरूरी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा जिला के सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया था कि सभी नगर निकायों के अवस्थित रैन बसेरों का निरीक्षण करें एवं वहां की व्यवस्था देखें। यह भी निर्देश दिया गया था कि अस्थाई एवं स्थाई जो भी रेन बसेरा हैं उसका निरीक्षण जरूर कर लिया जाए। अगर अतिरिक्त रैन बसेरा की आवश्यकता है तो उसके लिए नगर निकायों से अस्थाई रैन बसेरा का निर्माण शीघ्र कराई जाए। इस संबंध में नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियो को भी निर्देश दिए गए हैं।

बीएड प्रशिक्षुओं का दल इंटर्नशिप के लिए रवाना

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के बीएड विभाग के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं को 16 सप्ताह के इंटर्नशिप के लिए जिले के विभिन्न विद्यालयों में भेजा गया है। प्रशिक्षुओं के दल को रवाना करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि अभी तक आपलोग सैद्धांतिक अधिगम प्राप्त कर रहे थे अब आपलोगों को वर्ग संचालन करना होगा। जिसमें आप सभी को प्रायोगिक कार्यों से होकर गुजरना होगा। इस अवसर पर बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. के के सिन्हा ने बताया कि प्रशिक्षुओं को इंटर्नशिप के दौरान प्राप्त होने वाले कटु मधु अनुभवों से अपने आप में सुधार करने के अवसर प्राप्त होंगे। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने प्रशिक्षुओं से अनुशासन में रहकर ध्यान लगाकर इंटर्नशिप करने की अपील की ताकि भविष्य में आगामी कार्यस्थल पर होने वाले परेशानियों से बचा जा सके। इस अवसर पर डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. राकेश रंजन कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. कुमारी मनीषा, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. प्रियरंजन झा, डॉ. मधुलिका कुमारी, डॉ. मधुबाला मौर्या, डॉ. जयंती झा, डॉ. पीके राय, प्रो. जलेश्वर कुमार, डॉ. भुवनेश्वर सिंह, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण सन्नी कुमार, रविरंजन कुमार, प्रभाकर कुमार, शुभकृति, किरण शुक्ला, रजनीश कुमार, रौशनी कुमारी, राकेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

पौराणिक महत्व वाले स्थान सीताकुंड धाम का होगा सर्वांगीण विकास:डीएम

- पर्यटन विभाग 13.10 करोड़ की दी प्रशासनिक स्वीकृति

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के चकिया अनुमंडल स्थित पीपरा के बेदीबन मधुबन स्थित सीताकुंड धाम का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।इसकी जानकारी देते पूर्वी चंपारण के डीएम सौरभ जोरवाल ने आज बताया कि जिले में ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व वाले सीताकुंड के विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पर्यटन विभाग, बिहार सरकार के द्वारा इस स्थल के विकास हेतु 13.10 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। सीताकुंड का विकास कार्य बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के द्वारा कराया जाएगा। इसके लिए 18 माह का समय निर्धारित की गई है।इस स्थल के विकास के क्रम में यहां कैफेटेरिया, प्रवेश द्वार, चहारदीवारी, शौचालय ब्लॉक, दुकानों का निर्माण एवं साइट के विकास संबंधित अन्य कार्य किये जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रथम किस्त के रूप में 6.55 करोड़ की राशि पर्यटन विभाग द्वारा विमुक्त कर दी गई है।उल्लेखनीय है,कि पूर्वी चंपारण स्थित सीताकुंड धाम का वर्णन प्राचीन धर्मग्रंथों में भी किया गया है। विद्धानो के अनुसार त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एवं माता सीता की शादी के बाद जब बारात जनकपुर से वापस अयोध्या लौट रही थी,तो मार्ग में इसी स्थल पर चौठारी की रश्म हुई थी। वही प्रभु श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण जी द्धारा यहां एक तालाब का निर्माण कराया गया था। उसी पवित्र तालाब में माता सीता ने स्नान कर शिवलिंग की स्थापना कर पूजा-अर्चना की थी। माता सीता द्वारा स्थापित प्राचीन शिवलिंग को आज भी गिरजानाथ महादेव के नाम से जाना जाता है।कालांतर में यहां मौजूद तालाब और मंदिर विघमान तो है,लेकिन रखरखाव उचित देखभाल नही होने से अपनी आभा खो रही थी,फिलहाल बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के द्धारा इसे विकसित करने की पहल से इस प्राचीन स्थल का सुंदरता एक बार फिर लौटेगी।

एचडब्लूसी के सुदृढीकरण एवं एनक्वास प्रमाणीकरण को लेकर सीएचओ का हुआ प्रशिक्षण

- गर्भवती महिलाओं, नवजात बच्चे के स्वास्थ्य की जाँच के साथ दवाओं की हो पूरी उपलब्धता- डीपीसी
- बीपी, शुगर, वजन, इन्फेक्शन कण्ट्रोल से सम्बन्धित बातें बताई गईं

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के सुदृढीकरण एवं एनक्वास प्रमाणिकरण को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति के सभागार में मेहसी, पहाड़पुर, पकड़ीदयाल, रामगढ़वा, रक्सौल सहित 27 एचडब्लूसी के सीएचओ का दो दिवसीय प्रशिक्षण डीपीसी भारत भूषण, पिरामल डिस्टिक लीड राजेश गिरी, अश्विनी श्रीवास्तव, पीएसआई के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार के द्वारा कराई गई। मौके पर प्रशिक्षकों ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ, एएनएम, आशा कार्यकर्ता भारत सरकार के निर्धारित सभी मानकों के तहत बेहतर तरीके से कार्य करें ताकि समुदाय के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त हो। पिरामल के राजेश गिरी ने गर्भावस्था, प्रसव पूर्व जांच व देखभाल, प्रसव पश्चात देखभाल, नवजात शिशु देखभाल, सम्पूर्ण टीकाकारण, एनीमिया मुक्त भारत, परिवार नियोजन की स्थायी व अस्थायी सेवाएँ, संचारी व गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग के महत्वपूर्ण पहलूओ पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं अमित कुमार के द्वारा एचडब्लूसी पर दिये जाने वाले सभी सात प्रकार के स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रशिक्षण कराते हुए एनक्यूएएस चेक लिस्ट पर विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। वहीं उन्होंने गर्भवस्था के दौरान गर्भवती माता को आईएफए एवं कैल्शियम का सेवन कब और कैसे करना है, साथ ही परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधन पर प्रशिक्षित किया गया। बीपी, शुगर, वजन, इन्फेक्शन कण्ट्रोल से सम्बन्धित बातें बताइ गई। मौके पर डैम अभिजीत भूषण, डीपीसी भारत भूषण, पिरामल डिस्टिक लीड राजेश गिरी, निकिता कुमारी, अश्विनी श्रीवास्तव, पीएसआई के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार, सीएचओ व अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भूमि विवाद में मौत के बाद प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना क्षेत्र के जुमाई टोला गांव में भूमि विवाद के बाद मृत धवल यादव के मामले में मृतक की पत्नी लालपरी देवी ने रामगढ़वा थाना में उनकी पति की हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में इसने शंभू यादव, प्रभु यादव पिता कैलाश यादव, कैलाश यादव पिता मनक यादव, रबीता देवी पति शंभू यादव, माला कंचन देवी पति प्रभु यादव, संतोष कुमार व मनोज यादव पिता प्रभु यादव, त्रिपुरारी यादव पिता रामचन्द्र यादव, सुबोध यादव पिता भुवाली यादव, संगीता देवी पति सुबोध यादव दोनों सकिन रोहनिया को नामजद अभियुक्त बनाया है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि उपरोक्त लोग इनकी जमीन पर जबदस्ती कब्जा कर रहे थे, जब इसका विरोध इनके पति ने किया तो वे सभी लोग लाठी डंडे से पीट कर हत्या कर दी। बाद में सूचना पर रामगढ़वा पुलिस गई एवं उनके पति के शव को उठाकर ले जाकर पोस्टमार्टम कराई। इसमें चार पांच अज्ञात लोगों पर भी प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि उक्त आवेदन की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस इस मामले की जांच कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वच्छ रक्सौल संस्था की टीम ने 5 माह की बच्ची को लावारिस अवस्था में किया बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। आईसीपी ब्रांच रेलवे लाइन से सटे रक्सौल नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 से शुक्रवार को एक 5 माह की बच्ची को लावारिस अवस्था में बरामद किया गया है। अज्ञात बच्ची को रेस्क्यू कर हरैया थाना की मदद से सुरक्षित बालिका गृह मोतिहारी भेजा गया है। इसकी जानकारी देते हुए स्वच्छ रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह वार्ड नंबर 1 के ग्रामीणों के द्वारा सूचना दी गयी कि गेट संख्या 34 से लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक अज्ञात बच्ची रेलवे लाइन के किनारे झाड़ी में रखी हुई है। कड़ाके की ठंड के बीच बच्ची को मात्र एक पतले कपड़े में लपेट कर रखा गया था, जब तक टीम पहुंची बच्ची को काफी ठंड लग गयी थी।बाद में उसे सुरक्षात्मक उपाय करते हुए गर्म कपड़े पहनाए गये। इस दौरान स्वच्छ रक्सौल संगठन की महिला स्वंयसेवक रितिका श्रीवास्तव व साबरा खातून के सहयोग से बच्ची को सुरक्षित हरैया थाना लाया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना के बाद पहुंची हेल्पलाइन की टीम को बच्ची को सुरक्षित सौपा गया। जिसे लेकर टीम बालिका गृह मोतिहारी के लिए रवाना हो गई। हरैया थानाध्यक्ष अंजन कुमार ने बताया कि स्वच्छ रक्सौल संस्था के द्वारा जिस बच्ची को रेस्क्यू करके लाया गया था, उसको चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया है।

सेवासदन में सावित्रीबाई फुले की जयन्ती मनाई गई

बीएनएम। केसरिया, पू.च। समाजिक संगठन सेवा सदन सुन्दरापुर परिसर में शुक्रवार को क्रांतिकारी माता सावित्री बाई फुले की जयंती समारोह आयोजित कर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा सदन के सचिव विनोद पटेल ने की। समारोह का उद्धाटन जिला पार्षद निर्मला देवी व पूर्व जिला पार्षद पूनम देवी ने किया। सावित्रीबाई फुले के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर लोगों ने नमन किया। कार्यक्रम को राजद महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि सावित्री बाई फुले ने अपना जीवन सिर्फ लड़कियों को पढ़ाने और समाज को उपर उठाने में लगा दिया। सावित्रीबाई फुले एक दलित परिवार में पैदा हुई थी। वही जिप सदस्य ने कहा की18 वीं सदी में सावित्रीबाई फुले ने जिस तरह से सारी मुश्किलों के बाद भी खुद शिक्षित हुई और प्रथम महिला शिक्षिका बनी। मौके पर शिवज्योती देवी, सीता देवी, कुंती देवी राधिका देवी एवं चंचला कुमारी तथा बच्चियों में कृति, कायरा, आरती, तान्या, रागनी, दामिनी, पिहु, सोहानी, चाहत, सोनाली, इत्यादि बच्चियों तथा साधन से भी सुमित कुमार, शुभम कुमार, समीर कुमार उपस्थित थे।

पेपरलेस निबंधन के फरमान से कातिबों में आक्रोश

- काला बिल्ला लगाकर जताया विरोध

बीएनएम। केसरिया

जमीन के पेपरलेस निबंधन के सरकारी फरमान जारी होने के बाद कातिबों में आक्रोश है। बिहार दस्तावेज नवीस संघ ने इसे काला अध्यादेश बताया है। केसरिया निबंधन कार्यालय में शुक्रवार को बिहार दस्तावेज नवीस संघ के सदस्यों व कातिब सहायकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर कर नारेबाजी की। संघ के प्रखंड अध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने कहा कि एक ओर सरकार रोजगार देने की बात कहती है, तो दूसरी ओर बिहार के 80 हजार कातिब और उनके सहयोगियों को बेरोजगार करने की साजिश रच रही है। उन्होंने जमीन के पेपरलेस निबंधन के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की बात कही। वहीं संघ के सचिव रविरंजन कुमार ने कहा कि सरकारी अध्यादेश काला पानी की सजा की तरह है। पेपरलेस निबंधन लागू हुआ तो हम लोगों के परिवार के समक्ष भुखमरी की स्थिति हो जाएगी। मौके पर शम्भूनाथ प्रसाद, सुभाष वर्मा, मो इद्रीश, जीतलाल राम, वीरेंद्र राय, सदाकत हुसैन, मो इशा, कुंजबिहारी प्रसाद, महेंद्र राम, लखमीर अंसारी, शितेश कुमार, मनोज कुमार, रवि कुमार, अनिल यादव, लालबाबू प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा पेपरलेस निबंधन का फरमान जारी किया गया है। इसके शुरू होने से जमीन निबंधन से संबंधित जुड़ी सभी प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो जाएगी। प्रथम चरण में राज्य के चार निबंधन कार्यालय आरा, शेखपुरा, डेहरी और केसरिया में इसको शुरू करने की कवायद की जा रही है।

एक सौ नौ किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

बरामद गांजा की कीमत 22 लाख आंकी गई

बीएनएम। मोतिहारी

एसएसबी के जवान व आदापुर थाना पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुए करीब 109 किलो मादक पदार्थ(गांजा) बरामद किया है।मिली जानकारी के अनुसार उक्त कारवाई सैनिक रोड़ स्थित लरहा टोला के पास हुई है।इस दौरान एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है।बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब बाइस लाख रुपए आंकी गयी है। तस्कर नेपाल से गांजा लाकर भारतीय परिक्षेत्र में बेचने वाले थे, जिसे एसएसबी व पुलिस के जवानो रंगे हाथ पकड़ लिया।पकडे गए गांजा तस्कर की पहचान संग्राम पुर थाना क्षेत्र के प्रमोद महतो के रूप में हुई है।छापेमारी टीम में एसएसबी निरिक्षक राजकुमार शील, थाना प्रभारी धर्मवीर कुमार चौधरी, कन्हैया सिंह, नूतन कुमारी, चौकीदार समेत आदापुर थाना पुलिस बल के साथ एसएसबी के जवान शामिल थे।

बम कांड का मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया

बेतिया पुलिस जिला के गौनाहा थाना स्थित मठ मंझरिया चौक पर घटी विस्फोट की घटना के एक आरोपित को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि एक आरोपित पुलिस पकड़ में नही आ सका है।पकड़या आरोपित पश्चिम चंपारण जिला के योगापट्टी थाना के लाला टोला बगही गांव निवासी कन्हैया मुखियाहै। फरार आरोपित शनिचरी थाना के मिश्री टोला बहुअरवा गांव निवासी कन्हैया महतो है। एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि बीते 1 जनवरी को जानवरों को डराने व मारने के लिए दो व्यक्ति विस्फोटक सामग्री ले जा रहे थे किंतु विस्फोटक मठ मंझरिया चौक पर ही विस्फोट कर गया।इससे दोनो बाइक सवार जख्मी हो गए।पुलिस के पहुँचने के पूर्व ही दोनो भागने में सफल रहे।तकनीकी अनुसंधान से दोनो के नामों का सत्यापन किया गया और गुरुवार की रात्रि में घटना में शामिल कन्हैया मुखिया को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने खुलासा किया है कि सुअरों को डराने व मारने को लेकर वह क्रेकर बम जंगल ले जा रहा था। बाइक से गिर जाने के कारण बम विस्फोट हो गया। एसडीपीओ ने बताया कि मामले में गौनाहा थानाध्यक्ष राजीव कुमार के बयान पर विस्फोटक अधिनियम के तहत एफआईआर दर्जकर गिरफ्तार आरोपित को आज बेतिया जेल भेज दिया गया।

पूर्वी चंपारण के मनीष शेखर को मिला नेशनल पीस एंड टॉलरेंस लीडरशिप अवार्ड

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के सिरौना गांव निवासी व दिल्ली में आरटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनीष कुमार शेखर को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, सभागार नई दिल्ली में तीन दिवसीय वर्ल्ड पीस कॉग्रेस के अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने नेशनल पीस एंड टॉलरेंस लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया है। मनीष शेखर शिक्षाविद रत्नेश्वरी शर्मा एवं शक्ति पाण्डेय के पुत्र है।उनके दादा सरयू शर्मा भी स्वतंत्रता सेनानी रहे है। शेखर को यह अवार्ड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस तथा ग्लोबल पीस फाउण्डेशन के द्वारा उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह,भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष डॉ प्रियरंजन त्रिवेदी, ग्लोबल पीस फाउण्डेशन भारत के अध्यक्ष डॉ मार्कंडेय राय, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी नागालैंड के कुलाधिपति डॉ श्याम नारायण पाण्डेय ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। शेखर ने इस सम्मान के लिए आयोजित समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व शांति के लिए अब सबको मिलकर काम करने का समय है। भारत हमेशा से शांति एवं अहिंसा का सिर्फ संदेश ही नहीं बल्कि अपनी आचरण से विश्व को शांति एवं अहिंसा का मार्गदर्शन देता आ रहा है।

अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे

रोहित शर्मा और खुद उनके बयानों से स्पष्ट है कि रविचंद्रन अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। संभवतः संकेत यह था कि अब टीम में उनकी जगह पक्की नहीं है। कोई बड़ा खिलाड़ी किसी बड़ी टेस्ट श्रृंखला के बीच तुरंत रिटायर होने का एलान करे, तो उसे अवकाश लेने की सामान्य प्रक्रिया नहीं माना जा सकता। बड़े खिलाडियों की विदाई अक्सर नियोजित ढंग से और स-सम्मान होती है। इसलिए रविचंद्रन अश्विन ने जिस तरह भारत- ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरिज के बीच तुरंत रिटायरमेंट का एलान किया, लाजिमी है कि उस पर कयास लगाए जाएंगे। इसे संकेत माना जाएगा कि भारतीय क्रिकेट के प्रशासन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अश्विन मैच जिताऊ खिलाड़ी रहे हैं। उनका रिकॉर्ड खुद बोलता है। भारत के पूरे क्रिकेट इतिहास में अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट विकेट लेने के लिहाज से वे दूसरे नंबर पर (537) हैं। अपने छह टेस्ट शतकों के साथ दुनिया के टॉप स्पिनरों में बतौर बल्लेबाज वे पहले नंबर पर हैं। 13 साल तक चले टेस्ट करियर के दौरान 106 मैचों में उन्होंने 37 बार एक पारी में पांच और आठ बार मैच में दस विकेट उन्होंने लिए। भारत की अनुकूल पिचों पर उन्हें खेलना किसी विदेशी टीम के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। अब कप्तान रोहित शर्मा और खुद अश्विन के बयानों से स्पष्ट है कि 38 वर्षीय अश्विन खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्हें लगने लगा था कि टीम प्रबंधन को उनकी जरूरत नहीं है। इस सीरिज में अब तक हुए तीन मैचों में उन्हें सिर्फ एक में खेलाया गया। संभवतः संकेत यह था कि अगले दो मैचों में भी उनकी जगह पक्की नहीं है। ऐसे में यह मानने के बावजूद कि उनमें अभी धार बाकी है, उन्होंने तुरंत अवकाश लेने का एलान कर दिया। बड़े खिलाडियों को उनके नाम के आधार ढोया जाए, यह किसी का तर्क नहीं हो सकता। लेकिन खिलाडियों को गाइड करने और उन्हें सीधे उचित सलाह देने का सिस्टम जरूर मौजूद होना चाहिए। इसके लिए स्वस्थ संवाद की जरूरत है। लेकिन हालिया संकेत यही हैं कि भारतीय क्रिकेट संचालन में सीधा संवाद गायब है। विराट कोहली को जिस तरह कप्तानी से हटाया गया और उसके बाद से टीम का जैसा डगमग हाल है, उसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी शायद इसी पहलू की है।

अब सम्मान नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य

अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में झूठ बोलकर ही अपना नैरेटिव, सहानुभूति और जनसमर्थन चाहिए। हम बहुत भद्दे, गंदे समय में जी रहे हैं। एक बुरी तरह बंटे और कटे हुए समाज में जी रहे हैं। हर आदमी सही है और हर आदमी गलत है। जो हर एक मुद्दे पर हमसे सहमत नहीं हैं वो हमारे लिए बुरा बन जाता है। राजनीति ने हालात और खऱाब किए हैं। लोगों को बांट दिया है, धुव्रीकृत कर दिया है। नेता अब विचारधारा के आधार पर नहीं चुने जाते है। हम किसी पार्टी को इसलिए वोट नहीं देते है क्योंकि हमें उस पर भरोसा है। बल्कि हम उसे इसलिए वोट देते हैं क्योंकि हम उसकी विरोधी पार्टी से डरते हैं या नफरत करते हैं। हम किसी को पसंद नहीं करते, हम उसके प्रतिद्वंदी को नापसंद करते है। तभी बंटे हुए समाज में, इस ध्रुवीकरण से लोकलुभावन बातें बेइंतहा बढ़ गई है। सारी दुनिया में मुख्यधारा के अधिकांश राजनेता अब वोट हासिल करने और लोगों को भावनात्मक रूप से अपने से जोडऩे के लिए एक ही राग अपनाएं हुए है कि वे आम आदमी के पक्षधर हैं और कुलीनों, बड़े लोगों के विरोधी हैं। लोक लुभावन बातें सिर्फ दलगत राजनीति तक सीमित नहीं हैं। सार्वजनिक संवादों में लोकलुभावनवाद का प्रयोग मुख्यतः सत्ता-विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए किया जाता है, इस नजरिए को पेश करने के लिए किया जाता है कि कुलीन भ्रष्ट हैं। यह धारणा इस हद तक बढ़ चुकी है कि 'कुलीन वर्ग Ó - जिसमें पढे-लिखे, अध्येता और पत्रकार भी शामिल हैं - ने इसे स्वीकार लिया है। नियति मान लिया है कि अब ऐसे ही चलेगा। यह हमारी रोजमर्रा की चर्चाओं में शामिल हो चुका है। यह सब मान चुके हैं कि कुलीन, बौद्धिक वर्ग भ्रष्ट है और आम लोगों के कॉमनसेंस, सहज समझदारी की चिंता नहीं करता। पिछले तीन-चार दिनों में - पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देहावसान के बाद से - यह विभाजन साफ तौर पर दिखलाया दिया है। सोशल मीडिया विरोध और नफरत से भरा हुआ है। सब एक दूसरे की हर मुद्दे पर खिलाफत कर रहे हैं। इनमें कांग्रेस और भाजपा दोनों शामिल हैं। पुराने, एक सेकंड लम्बे वीडियो खोद निकाल पोस्ट किए जा रहे हैं ताकि गुस्सा भड़के। पार्टियों के ट्रोल योद्धा जोरशोर से ऐसी चीज़ें पोस्ट कर रहे हैं जिससे नफरत और बढ़ रही है। 'विरोधी भावनाएंÓ उफान पर हैं। विरासतों को कलंकित किया रहा है। प्राण त्याग चुके व्यक्ति की आत्मा को बार-बार यातना दी जा रही है - एक के बाद एक ट्वीट करके, मौके पर चौका मारने के लिए और इतिहास पर पर्दा डाला जा रहा है। मैं यह नहीं समझ पा रही हूँ भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव - विशेषकर देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री की मृत्यु से जुड़े हुए नैरेटिव - से भला किस तरह उसे आगे राजनैतिक, चुनावी लाभ हासिल होगा या पार्टी की इमेज चमकाई जा सकती है? लेकिन जब सत्ता पाना, उसके इस्तेमाल करने, से अधिक महत्वपूर्ण होता है तब कुछ भी सही या गलत नहीं रह जाता। आज की राजनीति इस हद तक नफरत भरी हो गई है कि झूठ बोलने में लोगों को मज़ा आता है। राजनीतिज्ञ अपने विरोधियों को दानव साबित करने में जुटे हुए हैं, फिर चाहे वे इस दुनिया में हों या न हों। वे दूसरे पक्ष को भ्रष्ट, अतिवादी और बेईमान साबित करने के लिए बिना किसी झिझक के झूठ का सहारा ले रहे हैं। आखिरकार सच्चाई का सामना करने के लिए दमदार लीडरशीप की जरूरत होती है और राजनीति करने से आपको सदैव सबका सम्मान हासिल नहीं होता। डॉ। मनमोहन सिंह को हमेशा कड़वी अपमानजनक बातें सुननी पड़ीं लेकिन वे चुप्पी साधे रखने के अपने संकल्प से नहीं डिगे। उन्हें उनके कामों के लिए याद रखा जाएगा, उनका काम बोलेगा, यही उनका नजरिया रहा। और जो 'सहज बुद्धिÓ के पक्षधर हैं, वे सदैव उन्हें इसके लिए ही याद रखेंगे।

शोध के अनुसार राम नाम की महिमा

संजय गोस्वामी

आज के आधुनिक डिजिटल युग में अधिकांश काम कंप्यूटर और मोबाइल फोन के जरिए एक जगह बैठकर हो रहे हैं, ऐसे में परिवार को स्वस्थ रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है। अधिकांश घरों में किसी न किसी रूप में दवाइयां नियमित रूप से ली जाती हैं। हर दिन नई-नई बीमारियां सामने आ रही हैं, जो देश-विदेश के डॉक्टरों को चुनौती दे रही हैं। हर दिन नई-नई दवाइयां खोजी जा रही हैं, फिर भी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। थोड़ा भी बीमार पड़ते ही हम डॉक्टर के पास यह सोचकर जाते हैं कि गोली, इंजेक्शन आदि से हम स्वस्थ हो जाएंगे। लेकिन बीमारी में आराम मिलता है तो दूसरी बीमारी लग जाती है। अगर कोलेस्ट्रॉल में आराम मिलता है तो कोलेस्ट्रॉल की दवा के साइड इफेक्ट से बीपी या डायबिटीज होने का खतरा रहता है। आज हर आधुनिक दवा के साइड इफेक्ट देखने को मिल रहे हैं। हम इसी भ्रम में फंस गए हैं और गोलियों और इंजेक्शन में अपना समय गुजारते रहते हैं अस्पताल में डॉक्टर आखिरी समय तक इंजेक्शन और दवाइयों की खुराक देते रहते हैं, चाहे शरीर मर रहा हो या नहीं। आखिर में बात यहां तक पहुंच जाती है कि घरवाले कहने लगते हैं कि हे भगवान, अब इसे ले जाओ, हम इसका दर्द नहीं देख सकते हैं । शायद कोई भगवान हो जिसे असली जीवन मिल जाए। क्या हमने कभी सोचा है कि जानवर भी बीमार पड़ते हैं, अगर बीमार पड़ते भी हैं, तो वह कैसे ठीक होते हैं? हां, पालतू जानवर अपवाद हैं, क्योंकि वे अपना स्वाभाविक प्राकृतिक जीवन नहीं जी पाते। फिर भी हमने देखा है कि जब जंगली जानवर या पालतू जानवर बीमार पड़ते हैं, तो वे या तो खाना खाना बंद कर देते हैं या फिर पालतू जानवर भी घास खाने लगते हैं। हम उपवास करके या अपनी कार, मोटरसाइकिल या कमरे के बारे में पढ़कर खुद को स्वस्थ रखते हैं। हम जिज्ञासावश अपनी कार, मोटरसाइकिल या कमरे के बारे में पढ़कर आधिकारिक जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम अनुभवी बने रहना चाहते हैं या शरीर विज्ञान में हमारी रुचि नहीं है। वास्तविक जीवनशैली जो भी है, हमने उसे हल्के में ले लिया है। आखिर हम कितने डरे हुए हो गए हैं? क्या इससे बीमारी आती है? क्या दवा से बीमारी ठीक हो सकती है? हां, कुछ समय के लिए बीमारी के लक्षण दवा के असर से दब जाते हैं और गायब हो जाते हैं। लेकिन बीमारी दूर नहीं होती। हम मनुष्य अपने आप को बहुत बुद्धिमान समझते हैं लेकिन बीमारी के निदान के मामले में हम जानवरों से भी पीछे हैं। हाँ। अगर हम वास्तविकता की तरफ से सोचें तो पाएंगे कि वास्तविक जीवन शैली, वास्तविक उपचार और वास्तविक आहार से बीमारी का निदान बहुत आसान है। यानी अगर आहार, व्यवहार, विचार स्वस्थ हैं तो हम रोग मुक्त रहेंगे। आहार ही औषधि है के सिद्धांत का पालन करके हम लगभग सभी बीमारियों से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं। यह सच है। होता यह है कि हम अपने शरीर को हानिकारक भोजन (गैर-प्राकृतिक भोजन) से भरते रहते हैं। फिर हम भाई को कोसते हैं कि यह हमारा भाई है। पाल जोन यानी सूडान (इटली), ओकानोवा (जापान), लोमा मालदीव (कैलिफोर्निया), इकारिया (इक्वाडोर) और निकोया पिंसला (कोटा अमेरिका) में रहने वाले लोग बिना किसी दवा के स्वस्थ, मजबूत और लंबे हैं। अंडमान निकोबार के जावा के निवासी हमसे भी ज्यादा स्वस्थ और मजबूत हैं। उन्हें आहार की जरूरत नहीं है। वे सभी उन चीजों का पालन करते हैं जो इस लेख में बताई गई हैं। कृपया ध्यान दें कि जब भी हम कोई खाद्य पदार्थ खाते हैं, तो वह पहले पेट में जाता है और फिर आंतों में पचता है। यदि भोजन पचेगा नहीं, तो वह सड़ जाएगा और सड़ने के बाद उसमें किण्वित पदार्थ बनेंगे और फिर यह आंतों/शरीर में विषाक्त तत्व पैदा करेगा, जिससे शरीर में अम्लता बढ़ेगी जो विभिन्न रोगों का कारण बनेगी। केवल अम्लता बढ़ने से ही लगभग 50-100 प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं। अधिकांश रोग जैसे रक्तचाप, अस्थमा, कोलेस्ट्रॉल, सिरदर्द, अपच आदि शरीर में अम्लता बढ़ने के कारण होते हैं। अर्थात् रोगों का एक कारण भोजन का अपच होना भी है। हम देखेंगे कि फल और सब्जियां आमतौर पर आसानी से पच जाती हैं लेकिन पालक, पकौड़े, चाय, कॉफी, कोला, पिज्जा, नूडल्स, बैगल्स, रबर आसानी से नहीं पचते हैं, इसका कारण यह है कि ये खाद्य पदार्थ उतने स्वस्थ नहीं हैं, जितने वे दिखते हैं। यदि आप पिज्जा, नूडल्स, बैगल्स को 6 महीने तक एक कंटेनर में दबा कर रखें, उतनी मात्रा में ताजे फल/सब्जियां दबा दें, और फिर 6 महीने बाद उसे खोलें तो फल और सब्जियां तो हेल्दी हो जाएंगी लेकिन पिज्जा, बन, नूडल्स लगभग सामान्य जैसे ही निकलेंगे। अगर हम अपने आस-पास देखें तो पाएंगे कि ऐसे कई अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खाए जा रहे हैं जिनमें किसी भी प्रकार के विटामिन/खनिज आदि नहीं होते हैं। और तो और, बच्चों को ऐसे खाद्य पदार्थ खिला कर हम न केवल उनके जीवन से खेल रहे हैं बल्कि एक अपराध भी कर रहे हैं। उनके पचने पर शरीर में विजातीय तत्व जमा हो जाते हैं। शरीर इन विजातीय पदार्थों का भार महसूस करता रहता है, प्राणशक्ति घटती जाती है। अंततः इन विजातीय पदार्थों के शरीर के अंदर और बाहर प्रवेश करने से रोग और गंभीर बीमारियां होती हैं। कभी-कभी तो ये खाद्य पदार्थ जीवन को भी निगल जाते हैं डॉ. प्लोवल की खोज यह थी कि हर प्राकृतिक खाद्य पदार्थ यानी फल, सब्जी, मेवा, पानी आदि को पता होता है कि उनमें मौजूद खनिज, विटामिन, हार्मोन को शरीर के किस हिस्से में जाना है। यानी हर प्राकृतिक खाद्य पदार्थ में शरीर के उस हिस्से का पता लिखा होता है और उसके खनिज वहां आसानी से पहुंच जाते हैं। उन्होंने इसे इस तरह समझाया कि जैसे पता लिखा हुआ भोजन अपने निर्धारित स्थान पर पहुंच जाता है, वैसे ही खनिज भी अपने निर्धारित स्थान पर पहुंच जाते हैं। यह ईश्वर की लीला है। डॉ. गटर ग्लोबल ने कोशिकाओं के प्रवास का अध्ययन करने के बाद बताया कि एक सामान्य मानव कोशिका में लगभग 1 बिलियन कोशिकाएँ होती हैं, जिनमें से अधिकांश एक ही प्रकार की अन्य कोशिकाओं में अवशोषित होने से पहले कई दिनों तक जीवित रहती हैं। जबकि कोशिकाएँ अपने उत्पादन और प्रवास में व्यस्त रहती हैं, ऐसा लगता है कि नवगठित कोशिकाएँ हमेशा अपने गंतव्य को जानती हैं, यानी सभी कोशिकाएँ हमेशा एक कोड से बंधी रहती हैं या एक छिपे हुए प्लॉट का अनुसरण करती हैं जो उन्हें कोशिका के अंदर या बाहर एक विशिष्ट स्थान पर पहचानती है।

जैसा कि पता चला, उन्होंने अनुमान लगाया कि प्रोटीन, अमीनो एसिड का एक क्रम, एक अन्य आणविक संकेत से जुड़ा होता है जिसे ज़िप कोड या लिगेशन कहा जाता है जो एक विशिष्ट प्रकार के प्रोटीन को पहचानने में मदद करता है क्योंकि यह एक कोशिका के भीतर चलता है। ज़िप कोड के अलावा, शोधकर्ताओं ने प्रोटीन के सिग्नल अनुक्रम का वर्णन किया, जो एक डॉ. की तरह, एक विशिष्ट कोशिका की सतह पर सिग्नल टोही कणों (विशेष रूप से ऑर्गेनेल कहा जाता है) को आकर्षित करता है, जिससे इसे चलते समय एक विशिष्ट प्रकार के प्रोटीन को पहचानने में मदद मिलती है। इसके बाद, हॉटिन का यह कण, एक ताले की चाबी की तरह, अंग की इस गुहा में हॉटिन को मजबूत करने में मदद करता है। ग्लोबल के शोध से पता चला है कि कई पेप्टाइड्स में अमीनो एसिड अनुक्रम होते हैं जो आवश्यक प्रोटीन को एक विशिष्ट अंग तक पहुंचाते हैं। यह आणविक ज़िप कोड कोशिका की आणविक संरचना का एक जटिल हिस्सा है और इसके खराब होने से कई बीमारियाँ होती हैं। जैसा कि ऊपर बताया गया है, शरीर में विदेशी निकायों की वृद्धि शरीर की महत्वपूर्ण गतिविधि को कम करती है जो बीमारियों का कारण बनती है। लेकिन उचित आहार उन्हें ठीक कर सकता है और शरीर को ऊर्जा प्रदान कर सकता है। ग्लोबल खोज ने आधुनिक सेलुलर बायोलॉजी रिसर्च पर बहुत प्रभाव डाला है। जब एक कोशिका विभाजित होती है, तो बड़ी संख्या में छिद्र बनते हैं और नए अंग पैदा होते हैं। यदि कोशिका ठीक से विभाजित होती है, तो यह कोशिका को स्वस्थ रखने में मदद करती है। राम नाम की शक्ति तनाव को कम करने, ध्यान केंद्रित करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करने और आध्यात्मिक विकास को बढ़ाने की क्षमता है। यह साधकों को ईश्वर से जोड़ता है और नकारात्मक ऊर्जा और कर्म को शुद्ध करने में मदद करता है, जिससे आंतरिक शांति और कल्याण की भावना को बढ़ावा मिलता है। मंत्र के रूप में राम कहने से मन को शांत करने, सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा देने, एकाग्रता में सुधार करने और शांति और संतोष की भावना लाने में मदद मिलती है। यह आध्यात्मिक जागृति और खुद को दिव्य ऊर्जाओं के साथ जोड़ने में भी सहायता करता है।

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में लिखा नया अध्याय

पंकज मित्तल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरुप वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में नया अध्याय लिखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़ो के सपने को साकार करते हुए प्रदेश में देश की दो बड़ी अति महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनों का आगाज हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 17 दिसंबर को जयपुर में पार्वती- कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित किए गए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 25 दिसंबर को खजुराहो, छतरपुर में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे पहली और बड़ी सिंचाई परियोजना है। मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। इसे सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की रहती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट के नेतृत्व में प्रदेश के जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मध्य-प्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। किसान पहले दो फसल ले पाते थे, अब तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। साथ ही कृषि उत्पादन में भी वृध्दि हुई है। प्रदेश की धरती सुजलाम सुफलाम हो रही है।

सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसके लिए प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना से मालवा और चंबल क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदलेगी। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में तरक्की होगी। इस परियोजना से प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाईं मुख्य नहर एवं वितरण तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 03 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना से प्रदेश के 13 जिलों गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे। परियोजना से प्रदेश के 13 जिलों गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। परियोजना मध्यप्रदेश एवं राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे। प्रदेश में पर ड्रॉप मोर क्रॉप के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 133 बृहद एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजना निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में 1320 करोड रुपए की लागत वाली चितरंगी दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना स्वीकृत हुई है। इस परियोजना से सिंगरौली जिले में 32125 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा। इसी प्रकार 4197 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत की जावद नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को भी स्वीकृत किया गया है। नीमच जिले में इस परियोजना से 18600 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जाएगा। आपके आय के नए रास्ते बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज साहित्य के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई जबरदस्त होगे।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आपको किसी से दूरसंचार से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कुछ निजी मामलों में थोड़ा भावुक हो सकते हैं। शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए काम को समय पर पूरा करना होगा। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे और एक-दूसरे को अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज किसी करीबी से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवारजन आपसी सामंजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का समाधान निकालने में सफल रहेंगे। आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। सेहत के लिए मॉर्निंग वाक आपके लिए फायदेमंद होगा इससे आपको ताजगी महसूस होगी। परिवार वालों के साथ कहीं घूमने जाने की योजना बनाएंगे, सभी लोग काफी खुश नजर आएंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिताएंगे। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहने वाला है। जो लोग पैतृक व्यवसाय कर रहे हैं व्यवसाय में कुछ बदलाव के लिए बड़े भाई से बातचीत करेंगे। आज पड़ोस में हो रहे भजन, कीर्तन में सपरिवार सम्मिलित होंगे। आपकी वाणी में मधुरता का भाव रहेगा। राजनीति में सफलता प्राप्त होगी, सभा को संबोधित करने का मौका मिलेगा। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। छात्र छात्राओं को अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी समय मिले अपने काम को पूरा कर ले। कुछ नए विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिसमें गुरुजनों का साथ मिलेगा। मित्रों की सहायता से आपको आय के साधन मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमाने में कामयाब रहेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। आज रुके हुए धन का आगमन होगा। आपको वाहन सुख मिलेगा। आप अपने सभी खर्चों को पूरा करने में सक्षम रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व है। आपको ऐसी जगह से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहां से आपने कभी कल्पना भी नहीं की हो। जीवनसाथी की वजह से आपकी योजना सफल होगी।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। किसी अन्य व्यक्ति की दखलअंदाजी अपने जीवन में न होने दें। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। अपने माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। नए वाहन का सुख प्राप्त होगा।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। परिवार वाले आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

शब्द पहेली - 8362

1		■	2	■	3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■		■		■	28	

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -8361 का हल

■	जी	स	स	■	ग	ब	रु	■
न	भ	■	ज	■	र	■	त	ह
जा	■	■	ग	र	ज	ना	■	ल
रा	ह	त	■	स्म	■	म	ह	क
■	■	र	ज	■	रां	ची	■	■
ज	न	क	■	खा	■	न	स	ल
मी	■	श	ब	न	म	■	■	ह
न	म	■	हा	■	ज	■	जो	र
■	त	ल	ना	■	मा	लि	श	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सिडनी टेस्ट पहला दिनः भारत ने पहली पारी में बनाए 185 रन, ऑस्ट्रेलिया ने 9 रन पर खोया 1 विकेट

सिडनी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। पहले दिन भारत ने जहां अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए, वहीं, ऑस्ट्रेलिया की भी पहली पारी की शुरुआत खराब रही और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल खत्म होने पर केवल 9 रन पर 1 विकेट खो दिया है। सैम कोंस्टास 7 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि उस्मान ख्वाजा केवल 2 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने। पहली पारी में भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। इस मैच में रोहित शर्मा की जगह कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और 8वें ओवर तक दोनों सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (04) और यशस्वी जायसवाल (10) पवेलियन लौट गए। रोहुल को मिचेल

स्टॉर्क और यशस्वी को स्टॉक बौलैंड ने पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और शुभमन गिल ने भारत का स्कोर 50 के पार पहुंचाया, हालांकि 57 के कुल स्कोर पर गिल 20 रन बनाकर नाथन लियोन का शिकार बने। विराट कोहली बल्ले से एक बार फिर असफल रहे और 72 के कुल स्कोर पर केवल 17 रन बनाकर बोलैंड का दूसरा शिकार बने। यहां से पंत और जडेजा ने 44 रनों की साझेदारी कर भारत का स्कोर 120 रनों तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पंत को बोलैंड ने अपना तीसरा शिकार बनाया। पंत ने 40 रन बनाए। इसी ओवर की अगली गेंद पर बोलैंड ने नीतीश रेड्डी (00) को भी पवेलियन भेज मैच में अपना चौथा विकेट लिया। संभलकर खेल रहे जडेजा भी 134 के कुल स्कोर पर 26 रन बनाकर मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। 148 के स्कोर पर वाशइंगटन सुंदर 14 रन बनाकर कमिंस का शिकार बने। प्रसिद्ध कृष्णा (03) बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में स्टॉर्क की गेंद पर सैम कोंस्टास को कैच दे बैठे। आखिरी में जसप्रीत बुमराह ने कुछ अच्छे शॉट खेले और टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पैट कमिंस ने बुमराह को आउट कर भारतीय पारी का अंत किया। बुमराह ने 22 रन बनाए। मोहम्मद सिराज 3 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टॉक बोलैंड ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

रोहित भारतीय क्रिकेट के इतिहास में टीम से बाहर होने वाले पहले कप्तान बने

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के अंतिम मैच में जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी। इस मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम का फैसला किया। रोहित अब ऐसे पहले कप्तान हो गये हैं जिन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। भारतीय क्रिकेट में कई बार सीरीज में कप्तान बदले हैं पर टीम में रहते हुए अंतिम ग्यारह से बाहर रहने का ये पहला मामला है। वहीं विश्व क्रिकेट की बात करें तो चौथी बार ऐसा हुआ है। इससे पहले किसी कप्तान को अंतिम ग्यारह से बाहर करने का पहला मामला 1974 की एशेज सीरीज में आया था। उस समय इंग्लैंड के माइक डेनेस चौथे टेस्ट से बाहर रहे थे और उनकी जगह जॉन एडरिच को कप्तानी दी गयी थी पर अगले टेस्ट में उनकी वापसी हो गयी थी जबकि रोहित के मामले में ऐसा नहीं हो सकता।

साल 2014 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ है। अंतिम बार पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बीच बाहर होने का फैसला किया था, उनकी जगह शाहिद अफरीदी को टीम का कप्तान बनाया गया था। उसी साल दिनेश चंडीमल भी सेमीफाइनल और फाइनल सहित टी20 वर्ल्ड कप के अंतिम तीन मैचों के लिए श्रीलंकाई लाइन-अप से बाहर रहे थ और तब लसिथ मलिंगा ने तब कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी और टीम को पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जिताया था।

कोहली के कैच पर उठा विवाद , नॉट आउट दिये गये

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच में पहली ही गेंद पर आउट की अपील की गयी हालांकि कोहली को आउट नहीं दिया गया। इसपर काफी विवाद भी हुआ। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और इरफान पठान ने जहां अंपायर के इस फैसले को सही बताया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसे गलत बताया। कोहली के आउट होने का रिव्यू भी लिया गया। इस कैच पर की गयी अपील को टीवी अंपायर ने समीक्षा के बाद खारिज कर दिया। उनका कहना था कि गेंद जमीन से लग गयी थी। इसके बाद इस फैसले पर विवाद हो गया। जहां गावस्कर और पठान ने विराट को नॉटआउट बताया। वहीं इंग्लैंड के माइकल वॉन और ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर का कहना है

कि विराट आउट हैं क्योंकि गेंद सीधे स्मिथ के हाथ में पहुंची थी। इरफान पठान ने सोशल मीडिया लिखा, 'कोहली नाट आउट थे। अंपायर ने उन्हें आउट न देकर सही किया।' वहीं वॉन ने कहा कि स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थ। इसलिए विराट कोहली आउट थे।' लैंगर का मानना है कि विराट निश्चित रूप से आउट थे। स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थी। इस में रोहित शर्मा का आराम देकर जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी गयी। इस मैच में शुभमन गिल को अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को सीरीज में पहली बार अवसर मिला है।

पाक टीम जीतेगी चैंपियंस ट्रॉफी : शोएब अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को भरोसा है कि अपनी मेजबानी में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी टीम खिताब जीतेगी। पाक में फरवरी-मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जा रहा है। ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल से खेला जाएगा और इसमें भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे।चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होगी। जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को होगा। इसमें भी शोएब को अपनी टीम के जीतने की उम्मीदें हैं। अख्तर ने कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। पाकिस्तान शीर्ष 4 में जगह जरूर बनाएगा। उन्होंने

ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि फखर जमान को टीम में शामिल किया जाये। इसमें बाबर आजम भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अख्तर ने कहा कि, बाबर चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के लिए अंतर पैदा करेंगे। टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और मुझे यकीन है कि चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम अच्छा खेलेगी। उन्होंने कहा कि पाक को अपने घरेलू मैदानों का लाभ मिलेगा जिससे उसके जीतने की अधिक संभावना है। इससे पहले उसेन साल 2017 में भारतीय टीम को हराकर खिताब जीता था।

सिडनी के परिणाम पर टिकीं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए भारत की संभावनएं

सिडनी। भारतीय टीम के विश्व विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल की संभावनाएं अब सिडनी टेस्ट पर ही अधारित हैं। अगर भारतीय टीम ये मैच हारती है तो उसके फाइनल में पहुंचने की सभी संभावनएं समाप्त हो जाएंगी। वहीं अगर वह जीतती है तो दौड़ में बनी रहेगी पर उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी आधारित होनो होगा। इस मैदान पर भारतीय टी को अब तक 13 मैचों में से केवल एक बार ही जीत मिली है। वहीं उसे पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि सात मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम को एकमात्र जीत जनवरी 1978 में मिली तब बिशन सिंह बेदी कप्तान थे। उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 131 रन पर आउट करने के बाद गुंडप्पा विश्वनाथ और करसन घावरी के अर्धशतकों की सहायता से भारत ने 265 रन की बढ़त बना ली।

इसके बाद, इरापल्ली प्रसन्ना के चार विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया टीम अपनी दूसरी पारी में 263 रन पर आउट हो गई। पहली पारी में भागवत चन्द्रशेखर और बेदी ने क्रमशः चार और तीन विकेट लिए थे। वहीं इस सीरीज की बात करें तो पर्थ में 295 रनों की बड़ी जीत के बाद भारतीय टी को 1-0 की बढ़त के साथ मिल गयी थी पर टीम उसे बरकरार नहीं रख पायी। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीतकर सीरीज बराबर कि फिर ब्रिस्बेन टेस्ट बराबरी पर रहा जबकि मेलबर्न में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज अभी 2-1 से फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है पर अगर भारतीय टीम मैच जीतती है और सीरीज ड्रॉ रहती है भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी रहेगी

व्यापार

हल्की बढ़त के बाद फिसले शेयर बाजार

सेंसेक्स 500 से ज्यादा अंक लुढ़का; निफ्टी 24,103.25 पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार मामूली बढ़त के साथ खुले। हालांकि, खुलने के कुछ ही देर में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी50 लाल निशान में फिसल गए। निवेशकों की नजर अब अगले हफ्ते से शुरू हो रहे कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं पर टिकी हुई है। इसकी वजह से निवेशक संभल कर कारोबार करना चाह रहे हैं। हालांकि, तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 80 हजार के पार खुला लेकिन कुछ ही देर में लाल निशान में फिसल गया। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 364.96 अंक की गिरावट लेकर 79,578.75 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली बढ़त लेकर खुला पर खुलते ही गिरावट में चला गया। सुबह की शुरुआत में निफ्टी 85.40 अंक गिरकर 24,103.25

पर कारोबार कर रहा था। सेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से गिरावट में कारोबार कर रहे थे। वहीं टाइटन, मारुति, टाटा मोटर्स, नेस्ले, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा स्टील और अदाणी पोर्ट्स के शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं विदेशी निवेशकों ने 12 दिन की बिकवाली का सिलसिला तोड़ते हुए गुरुवार को घरेलू बाजारों में खरीदारी की। वहीं घरेलू निवेशक लगातार भारतीय बाजारों में इक्विटी खरीद रहे हैं। सेंसेक्स 1436.30 अंक की तूफानी तेजी के साथ 79,943.71 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई का निफ्टी50 भी 445.75 अंक की जोरदार बढ़त लेकर 24,188.65 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स ने गुरुवार को 22 नवंबर, 2024 के बाद से अपने सबसे अच्छा सेशन परफॉर्म किया। फाइनेंशियल और ऑटो कंपनियों ने कॉरपोरेट आय में बढ़ोतरी की उम्मीद के कारण बाजार में उछाल आया। साथ ही इंफोसिस और एचसीएलटेक के रेवेन्यू वृद्धि में वृद्धि के ब्रोकरेज के अनुमान के बाद शेयरों में तेजी देखी गई। वहीं एशिआई बाजारों में शुक्रवार को मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। जापान का निक्की इंडेक्स और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट में बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। टेस्ला और एप्पल जैसे बड़े टेक शेयरों में आई जोरदार गिरावट के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से डाउ जॉन्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 500 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,868.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.21 प्रतिशत फिसल कर 19,271.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,410.69 अंक

के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 1.05 प्रतिशत उछल कर 8,260.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,393.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 115.52 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,024.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 143 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,154 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 3,247.54 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,799.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 177.50 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,800.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 154.96 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,987.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.16 प्रतिशत उछल कर 2,450.77 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,383.01 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,175.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सिटीकेम इंडिया ने पहले दिन ही निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लुढ़के शेयर

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल सेक्टर की कंपनी सिटीकेम इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 70 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शेयरों की लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 70 रुपये के भाव पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये शेयर टूट कर 66.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। हालांकि, बाद में खरीदारी शुरू होने पर इस शेयर ने लोअर सर्किट ब्रेक करके 1.90 रुपये की कमजोरी के साथ 68.10 रुपये के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 2.71 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। सिटीकेम इंडिया लिमिटेड का 12.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 31 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 414.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। कंपनी इन शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल नई प्रॉपर्टी खरीदने, ट्रांसपोर्टेशन

व्हीकल और एक्सेसरीज खरीदने तथा आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। 1992 से काम कर रही सिटीकेम इंडिया लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी के दावे के मुताबिक इसका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा है। 2021-22 में कंपनी को 23.94 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष में बढ़कर 36.26 लाख रुपये हो गया। इसी तरह 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 1.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही कंपनी को 19.95 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है।

रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 85.78 डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की गिरावट के साथ 85.78 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर 2024 में अधिकतर मुद्राओं के मुकाबले मजबूत रहा और इस वर्ष भी वह मजबूत स्थिति में बना रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.77 पर खुला। फिर फिसलकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 109.19 पर रहा।

सोने और चांदी के भाव में तेजी

सोने का भाव 77,900 रुपए, चांदी 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। यह लगातार तीसरा दिन है जब सोने-चांदी की कीमत में तेजी जारी है। 1 जनवरी से दोनों के वायदा भाव में तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 0.24 फीसदी की तेजी के साथ 77,900 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.13 फीसदी बढ़त के साथ 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारि गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपए बढ़कर 79,720 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी भी 130 रुपए बढ़कर 90,630

रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद से 330 रुपए बढ़कर 79,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला।

बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 का शानदार प्रदर्शन चौथे सप्ताह में भी जारी

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म पुष्पा 2: द रूल को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 27 दिन हो गए हैं. इन दिनों पुष्पा 2 ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है और यह अभी भी सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. यह बॉक्स ऑफिस पर मुफासा, मैक्स, मार्को, वनवास और बेबी जॉन जैसी कई नई फिल्मों की रिलीज को टक्कर दे रही है. हालांकि पिछले दो दिनों से इसके कलेक्शन ग्राफ में गिरावट दर्ज की गई है. चौथे वीक में सुकुमार की निर्देशित फिल्म सिंगल डिजिट में कमाई कर रही है. सैकनिल्क के अनुसार, चौथे सप्ताह में पुष्पा 2 के कलेक्शन में थोड़ी गिरावट देखी गई है. चौथे रविवार के बाद फिल्म ने सोमवार को सिंगल डिजिट में कमाई की. इसने 26वें दिन 6.8 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. यह फिल्म की अब तक की सबसे कम कमाई रही है. वहीं 27वें दिन अल्लू अर्जुन की फिल्म में 12.50 प्रतिशत का उछाल देखा गया, इसके बावजूद यह सिंगल डिजिट तक ही सीमित रहा. चौथे मंगलवार को पुष्पा 2 ने भारत में सभी भाषाओं में 7.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. 27 दिनों के बाद फिल्म का कुल कलेक्शन 1171.45 करोड़ रुपये हो गए हैं. पुष्पा 2 हिंदी बेल्ट में अच्छी कमाई की है. फिल्म ने 775 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर लगी है. 27वें दिन पुष्पा 2 ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर 6.25 करोड़ रुपये कमाए. जबकि तेलुगू में इसने 1.17 करोड़ रुपये कमाए हैं. मेकर्स के अनुसार, 25वें दिन इसने0 770.25 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 26वें दिन 5.5 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. 27 दिनों में सुकुमार की फिल्म ने हिंदी बेल्ट में कुल 782 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. यह धीरे-धीरे 800 करोड़ के क्लब की ओर बढ़ रही हैं. पुष्पा 2 ने दुनियाभर में 25 दिनों में 1760 करोड़ रुपये कमाए है. यह साउथ रिबेल स्टार प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली 2 को पछाड़ने के लिए तैयार है. पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहद फासिल, जगपति बाबू और राव रमेश महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. सुकुमार की निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम समेत कई भाषाओं में रिलीज हुई.

राम पोथिनेनी-भाग्यश्री बोरसे के फैंस को नए साल का तोहफा

फिल्म रैपो 22 का पोस्टर हुआ जारी

राम पोथिनेनी की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म रैपो 22 का नया पोस्टर आज कुछ ही देर पहले जारी किया जा चुका है, जिसे लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। इस फिल्म को युवा निर्देशक महेश बाबू पी निर्देशित कर रहे हैं। माइथ्री मूवी मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म रैपो 22 से भाग्यश्री बोरसे का लुक जारी किया है। इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, इस नए साल में बहुत सारा प्यार और खुशियां आप सभी की जिंदगी में.... टीम रैपो 22 की ओर से आप सभी को नए साल 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं.... फिल्म रैपो 22 की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। इस नए साल की पूर्व संध्या को और भी खास बनाने के लिए निर्माताओं ने सागर की प्रेमिका महा लक्ष्मी के रूप में भाग्यश्री बोरसे का पहला लुक जारी कर दिया है। पोस्टर में दोनों की जोड़ी आकर्षक दिख रही है और राम के आकर्षक मेकओवर ने प्रशंसकों को इंप्रेस कर दिया है। राम के प्रशंसकों को उनकी पिछली फिल्मों से अलग दिखने वाली इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है क्योंकि दर्शक महेश बाबू के इस अनोखे विजन को देखने के लिए उत्सुक हैं। माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा समर्थित, यह फिल्म पहले से ही चर्चा बटोर चुकी है। फिल्म रैपो 22 की 21 नवंबर, 2024 को हैदराबाद में एक छोटी पूजा समारोह के साथ शुरुआत की गई थी। महेश बाबू पी ने आखिरी बार अनुष्का शेट्टी अभिनीत मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का निर्देशन किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता थी। इस नए प्रोजेक्ट को मशहूर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा पर्याप्त बजट में बनाया जा रहा है। प्रोजेक्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस फिल्म से पहले भाग्यश्री बोरसे साउथ अभिनेता रवि तेजा के साथ मिस्टर बच्चन में नजर आई थीं।

2024 के बाद सीरत कपूर एक केंद्रित 2025 के लिए पूरी तरह तैयार हैं

जैसे ही नया साल शुरू हुआ, अभिनेत्री सीरत कपूर ने पिछले साल पर विचार करते हुए अपनी आगामी योजनाओं को साझा किया। अपनी प्रतिभा, दृढ़ता और गरिमा के लिए जानी जाने वाली सीरत ने 2024 में मिले अनुभवों और अवसरों के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। हालांकि, वह अपनी उपलब्धियों पर रुकने वाली नहीं हैं। बहुमुखी अभिनेत्री ने 2025 को और भी प्रभावशाली बनाने के लिए समग्र विकास—शारीरिक और मानसिक दोनों—पर ध्यान केंद्रित करने का निश्चय किया है। उन्होंने अपने प्रशंसकों को अपनी प्रेरणा और समर्थन का सबसे बड़ा स्रोत माना है। 2025 की अपनी दृष्टि पर बोलते हुए, सीरत कहती हैं, 2025 मेरे लिए और भी प्रेरणादायक और फलदायी होगा। इस साल मेरा ध्यान स्पष्ट है—मैं और कड़ी मेहनत करना चाहती हूं, निरंतर विकास करना चाहती हूं और अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना चाहती हूं। अपने पेशेवर लक्ष्यों और व्यक्तिगत कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए महत्वपूर्ण है और मैं आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हूं। सीरत कपूर 2025 में एक नई सोच और ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण के साथ कदम रख रही हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजना बनाई है। स्व-देखभाल उनके लिए अनिवार्य है। 2024 सीरत के लिए व्यस्त और चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा, जिसमें उन्होंने ऐसे प्रोजेक्ट्स किए जो न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी क्षमताओं को परखा, बल्कि उनके प्रशंसकों के साथ उनके जुड़ाव को और भी मजबूत किया। जैसे ही वह आने वाले साल के लिए अपनी योजनाओं को आकार देती हैं, सीरत भविष्य के अफसरों के प्रति आशान्वित हैं। वह मेहनत करने, नए प्रतिमानों को तोड़ने और एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में निरंतर विकसित होने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपने दिल से लिखे गए संदेश को समाप्त करते हुए, सीरत अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान आपको और आपके प्रियजनों को खुशियों और अच्छे स्वास्थ्य से आशीर्वाद दें। आइए, 2025 को एक यादगार वर्ष बनाएं! अपनी जमीन से जुड़ी सोच और अटूट प्रतिबद्धता के साथ, सीरत कपूर नए साल को जीतने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। आइए, 2025 के लिए उनकी और हमारी सफलता का जश्न मनाएं!

ऑफ शोल्डर ड्रेस में साउथ की हसीना मालविका मोहनन ने ढाया कहर, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख दिल हार गए फैंस

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन आए दिन अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। तमिल सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मालविका मोहनन अपने शानदार और ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस को फिल्म युद्धा में देखा गया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने अहम किरदार निभाया था। दर्शकों ने इस मूवी में उनकी एक्टिंग को भी काफी पसंद किया था। मालविका मोहनन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

Blinkit Launches Basic Life Support Ambulance Service in 10 Minutes in Gurugram

Agency: Blinkit is rolling out a 10-minute basic life support (BLS) ambulance service in India, the quick commerce company announced on Thursday. The service is initially available in Gurugram with five ambulances running in the city. They will be equipped with essential life support recruitment including oxygen cylinders and Automated External Defibrillator (AED). Each BLS ambulance will have a paramedic, an assistant, and a trained driver to deliver medical care at the earliest. Blinkit CEO Albinder Dhindsa announced the commencement of BLS ambulance services in a post on X (formerly Twitter). As per the official, the quick commerce company aims to tackle the issue of quick and reliable ambulance service in Indian cities. Although it is only available in Gurugram as of now, Blinkit aims to expand this service to other cities and users will soon see an option to book a Basic Life Support (BLS) ambulance through the Blinkit app.

It is currently in the scaling-up phase and will be expanded to all major cities in the next two years, as per the CEO. Each ambulance comes equipped with oxygen cylinders, an AED, stretcher, monitor, suction machine, and essential emergency medicines and injections. To deliver critical medical care, the BLS ambulance has a paramedic, an assistant and a trained driver. However,

- The service is available in Gurugram with five equipped ambulances
- Ambulances have oxygen cylinders, AED, stretcher, and trained staff
- Blinkit to expand BLS ambulance service to all major cities

the company emphasises that it does not target financial goals with its ambulance service. It will be operated at an affordable cost for customers, with Blinkit aiming to solve this critical problem in the long term. This builds upon several quick services offered by the company in recent months. In 2024, it commenced 10-minute deliveries of products such as the iPhone 16, Samsung Galaxy S24, PlayStation 5, and gold and silver coins. Further, it also made waves by expanding services to more areas like Hisar, Jammu, Lonavala, and Raipur.

PM Modi vs Arvind Kejriwal On 'AAPDA' Ahead Of Delhi Elections

Agency: At a ceremony inaugurating 1,675 flats for residents of slum clusters and two major urban redevelopment projects in the national capital, Prime Minister Narendra Modi took a swipe at Arvind Kejriwal, referring to the Aam Aadmi Party government as an "AAPDA" (disaster) that has gripped Delhi for the past decade. PM Modi accused the AAP leadership of pushing Delhi into a crisis and claimed their governance was defined by corruption and mismanagement. "In the last 10 years, Delhi is surrounded by an 'AAPda'. AAP has descended as a calamity on Delhi. I could have built a 'Sheeshmahal' (glass palace) too, but I chose to build more than 4 crore homes for the poor," PM Modi said at the event, alluding to recent allegations of exorbitant expenditures on the Delhi Chief Minister's residence. This statement referred to an October inventory released by the Public Works Department (PWD), detailing high-end appliances and gadgets reportedly worth over crores installed at the Delhi Chief Minister's bungalow. The controversy has become a political flashpoint between the BJP and the AAP.

In a rebuttal, Arvind Kejriwal accused the BJP of failing Delhi over the past decade and dismissed PM Modi's remarks as "personal attacks." Mr Kejriwal claimed his government's record in education, healthcare, and infrastructure far outpaced the BJP's

contributions. "In 10 years, the BJP has not done a single significant thing in Delhi. They promised permanent housing by 2022 but have built only 4,700 houses in five years. Compare that to AAP's work-22,000 classrooms, three new universities, and countless developmental initiatives," Mr Kejriwal said. PM Modi, during his 43-minute speech, emphasized that the BJP-led central government has been the driving force behind Delhi's infrastructure growth. He handed over keys to beneficiaries of the Delhi Development Authority's (DDA) In-Situ Slum Rehabilitation Project in Ashok Vihar, where eligible recipients paid only a fraction of the construction cost. The Prime Minister also inaugurated two urban redevelopment projects - the World Trade Centre at Nauroji Nagar and residential quarters at Sarojini Nagar. Mr Kejriwal countered by accusing the BJP of demolishing slums without providing alternatives. "If you had voted for BJP, they would have razed all slums in Delhi," he alleged. "There is no 'AAPda' in Delhi. The real disaster is the BJP."

How 120 Elite Israeli Forces Raided Syria, Destroyed Missile Plant In 3 Hours

Agency: The Israeli Air Force (IAF) on Thursday declassified details of a high-stakes operation in which 120 Israeli commandos raided and destroyed an alleged underground Iran-funded missile manufacturing facility in Syria. The mission, codenamed "Operation Many Ways," was carried out on September 8 in 2024. The facility, known as "Deep Layer," was allegedly located near the Masyaf area in western Syria, a region considered a stronghold of Syrian air defences. Israeli officials claimed that the site, a flagship project of Iran's missile production program, was intended to supply precision missiles to Hezbollah in Lebanon and to the Assad regime in Syria. The operation was carried out without injuries to the Israeli forces, the officials claim.

TheFacility- According to the IAF, Iran's construction of the Deep Layer facility began in late 2017, following an earlier Israeli airstrike on an aboveground rocket engine manufacturing site at the Scientific Studies and Research Center (CERS) in Jamraya, southern Syria. This attack led Iran to shift its operations underground, aiming to safeguard its missile production capabilities from future airstrikes. By 2021, the underground facility, buried 70 to 130 metres into a mountain, had become operational, with missile production capabilities nearing full scale. The horseshoe-shaped structure featured three primary entrances: one for raw materials, another for completed missiles, and a third for logistics and office access. Sixteen production rooms lined the facility, including mixers for rocket fuel, missile body construction areas, and paint rooms. The IDF estimated the facility's annual output could have ranged between 100 and 300 missiles, capable of reaching targets up to 300 kilometres away. Strategically located just 200 km north of the Israeli border and 45 km from Syria's western coastline, the Deep Layer facility offered Iran a means of circumventing Israeli strikes on overland weapons convoys to Hezbollah. The underground site would have enabled Hezbollah to receive missiles directly from Syria's border.

The Preparation- The IDF's decision to raid the facility came after years of monitoring and intelligence

gathering. While initial plans were formulated years prior, the operation gained urgency amid the multifront war that began in October 2023, involving Hamas in Gaza, Hezbollah in Lebanon, and other Iran-backed militias. The elite Shaldag unit, known for long-range penetration operations, and Unit 669, specialising in combat search and rescue, were selected for the mission. Over two months of intensive training included simulations and backup scenarios to mitigate risks during the high-stakes operation. The mission date was chosen for its favourable weather conditions. Extensive intelligence efforts mapped the facility's layout, identified Syrian air defence capabilities, and analysed potential threats on the ground.

The Execution- The operation began with 100 Shaldag commandos and 20 Unit 669 medics boarding four CH-53 "Yasur" heavy transport helicopters. Escorted by AH-64 attack helicopters, 21 fighter jets, five drones, and 14 reconnaissance planes, the convoy departed from Israel, flying over the Mediterranean to avoid Syrian radar detection. Upon reaching Syrian airspace, the helicopters flew exceptionally low to evade one of the country's densest air defence zones, second only to Damascus. To mask the commandos' approach, IAF aircraft launched diversionary strikes on other Syrian targets, drawing attention away from the Masyaf region. The helicopters landed near the facility's entrances, deploying troops while maintaining a defensive perimeter. Unit 669 personnel remained on standby aboard the aircraft, prepared to evacuate or treat casualties if necessary. A surveillance drone launched by the commandos monitored the area. Commandos secured the perimeter and breached the facility's heavily fortified entrances using equipment on-site, including forklifts. Some soldiers had undergone forklift training in preparation for this specific task. Inside, the team planted approximately 660 pounds of explosives along the production line, targeting critical machinery such as planetary mixers. After ensuring all charges were in place, the team exited the facility and detonated the explosives remotely. The resulting blast, equivalent to one ton of explosives, caused a "mini earthquake" with soldiers reportedly saying that the "ground trembled". The commandos completed their mission in under three hours, departing aboard the same helicopters that had delivered them. The IDF reported killing approximately 30 Syrian guards and soldiers during the operation, while Syrian media claimed 14 fatalities and 43 injuries.

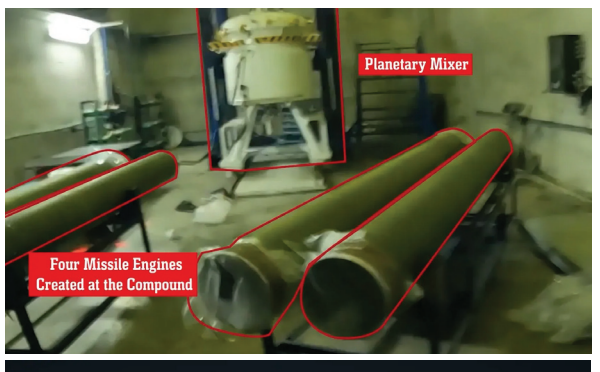

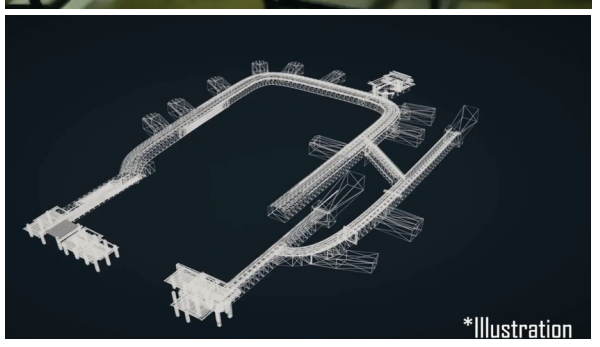

Oppo Reno 13 5G Series India Launch Date Set For January 9

Agency: Oppo Reno 13 5G series is confirmed to launch in India and select global markets soon. The company has now announced the India launch date of the lineup, which will include the Oppo Reno 13 and Reno 13 Pro handsets. The design elements and colour options of the upcoming Indian variants have been revealed previously. Several features of the phones, including RAM and storage configurations, have been affirmed ahead of the launch. The Oppo Reno 13 5G series was unveiled in China in November 2024. The Oppo Reno 13 5G series will launch in India on January 9 at 5pm IST, according to an X post by the company. The phones are confirmed to be available for purchase in the country via Flipkart alongside the Oppo India e-store. The e-store listing of the Oppo Reno 13 5G suggests that it will be offered with 8GB of RAM as well as storage options of 128GB and 256GB. The company previously confirmed that the Indian variant of the phone will come in Ivory White and Luminous Blue shades. Meanwhile, the Oppo Reno 13 Pro 5G is confirmed to support 12GB of RAM alongside storage variants of 256GB and 512GB. It will be available in Graphite Grey and Mist Lavender colour options. The official landing page of the Indian variants of the Oppo Reno 13 5G series confirms that the phones will be powered by MediaTek Dimensity 8350 SoCs alongside Oppo's SignalBoost X1 chips. The handsets will be equipped with AI-backed imaging features and are claimed to meet IP68 and IP69 ratings for dust and water resistance. Oppo Reno 13 Pro 5G will include a 50-megapixel periscope telephoto shooter with 3.5x optical zoom and up to 120x digital zoom. It will carry a 5,800mAh battery with 80W wired SuperVOOC charging support. The vanilla Oppo Reno 13 5G, on the other hand, will get a slightly smaller 5,600mAh battery with a similar charging capacity.

Donald Trump's Daughter-in-law Lara Withdraws From Senate

Agency: US President-elect Donald Trump's daughter-in-law, Lara Trump, on Saturday said she has withdrawn her name from consideration for a seat in the Senate. Ms Trump, who is married to Donald Trump's son Eric Trump, stepped down this month as co-chairwoman of the Republican National Committee (RNC), fueling speculation that she might replace outgoing Florida Senator Marco Rubio Incoming President Trump has picked Mr Rubio to serve as secretary of state. Florida Governor Ron DeSantis is set to pick Mr Rubio's replacement, who is expected to resign as senator when Trump takes office on January 20. Taking to X, Lara Trump wrote that she had decided to remove herself from consideration "after an incredible amount of thought, contemplation, and encouragement from so many." She said she wished Florida Governor DeSantis luck in picking a replacement to serve the remainder of Mr Rubio's six-year term ending in 2026. "I could not have been more honoured to serve as RNC co-chair during the most high-stakes election of our lifetime and I'm truly humbled by the unbelievable support shown to me by the people of our country, and here in the great state of Florida," she posted. She said she has a "big announcement" to share in January but did not provide details. Ms Trump added that she remains passionate about public service and looks forward to serving again in the future. While noting there was already strong interest from possible candidates, DeSantis said last month that a selection would likely be made by early January.

NHAI still short of land for 15 highway projects in state

Agency: The National Highways Authority of India is still short of land for 103-km stretches to complete 15 highway projects covering 604 km in the state. The work on three small parcels of its flagship Delhi-Amritsar-Katra expressway is also stalled due to stiff resistance by farmers even after handing over the entire land for the same The autonomous agency under the Ministry of Road Transport and Highways has sought administrative and police assistance. However, the work to construct 22 highways spanning 740 km was in full swing after getting the requisite land. The NHAI has been implementing 37 projects with aggregate length of 1,344 km

PROJECTS HIT BY LAND HURDLE

DELHI-AMRITSAR-KATRA EXPRESSWAY

Package	Length (km)	District(s)
6	30.91	Patiala, Sangrur
7	36.8	Sangrur, Malerkotla
11	43.02	Jalandhar, Kapurthala, Gurdaspur

(Complete possession obtained, but farmers still posing resistance)

LAND STILL WANTED

Project	Length(km)	Pending possession(km)
DAK-12 Phase-1	35.28	0.2
DAK Spur-3 Phase-1	28.07	3.65
Beas-Dera Baba Nanak-1	31.3	0.8
Amritsar-Una-1	45.73	12.73
DAK Spur-2 Phase-1	30.06	19.16
Abohar-Fazilka	44.96	1.77
Amritsar Bypass-3	49.94	0.64
Moga-Bajakhana	43.39	1.88
Beas-Dera Baba Nanak-2	37.8	2.8
Amritsar-Bathinda-2	54	3
Amritsar-Bathinda-1	39	7.01
Southern Ludhiana Bypass	25.24	3.55
Jalandhar Bypass	46.5	6.5
Ludhiana-Bathinda-2	45.24	3.9
Ludhiana-Ropar-2	47.24	35.14
Total: 15 projects	603.75	102.73

in Punjab, most of which had remained stalled for long due to want of land and farmers' protest before getting back on track after Union Minister of Road Transport and Highways Nitin Gadkari threatened to cancel/withdraw projects if the state government failed to provide requisite land acquired for the same.

Motihari Police's humanity surfaces, Over 130 donated Bloods

Sagar Suraj

Motihari: This is a New Year image. Most beautiful, Isn't it? . District Magistrate (DM) Saurabh Jorwal and Superintendent of Police (SP) Swarn Prabhat of East Champaran district together are on the path of humanity. Donating blood on the call of Bihar state blood donation council on Friday. The district administration, on the occasion organized camps and inaugurated a vehicle for a mobile blood donation camp, which draws good numbers of donors. As many as 130 police personnel alone from many police stations in the district were seen donating bloods at the various locations, especially from Chakia, Dumariaghat and Harsiddhi police stations in east champaran district. SP Swarn Prabhat said that a blood donation camp was also organized in the Motihari police line, where SP and DM both donated their blood. Two mobile sub-divisional vehicles being facilitated for blood donation have been sent in Chakiya and Areraj subdivision and on Saturday, a blood donation camp will also be organized in Raxaul, Ghodasahan and Pakadidayal subdivisions. SP described blood donation as the real service to humanity as it could save millions of lives. He said that the blood donors were the real heroes as they play key roles in helping people in need. He called for more and more people, especially the youngsters, to come forward to donate blood and become active partners in this noble cause. It is to be noted here that entire blood banks in Bihar are facing severe shortages of blood. The needy people either have to take blood from professional donors or lose their patient in need of blood. The professional donors provide blood with a number of fresh diseases transmitting in patients.

It's heartening to see such community-driven initiatives, especially when blood banks are facing shortages. If you're interested in donating blood or organizing a blood donation camp, you can reach out to organizations like the Indian Red Cross Society for guidance and support.

मार्केट का हाल

3 जनवरी 2025

सेंसेक्स	निफ्टी	BSE मिड कैप	BSE स्मॉल कैप
79,223	24,004	46,936	56,116
720 (0.90%)	183 (0.76%)	155 (0.33%)	10 (0.02%)

निफ्टी टॉप गेनर

शेयर	करंट प्राइस	कितना बढ़ा	चेंज%
ONGC	₹258.65	₹12.58	5.11%
टाटा मोटर्स	₹789.00	₹23.95	3.13%
SBI लाइफ	₹1,450.00	₹27.75	1.95%

निफ्टी टॉप लूजर

शेयर	करंट प्राइस	कितना घटा	चेंज%
विप्रो	₹295.20	₹8.60	2.83%
HDFC बैंक	₹1,748.40	₹45.35	2.53%
अडाणी पोर्ट्स	₹1,197.80	₹28.20	2.30%

GRAP 3 curbs back in Delhi amid rise in air pollution

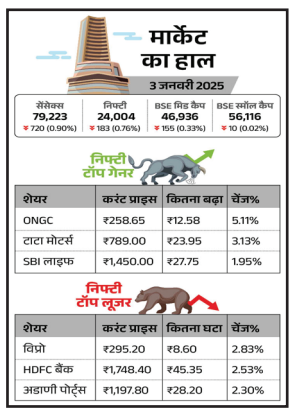

Agency: The Centre's panel on Delhi-NCR's air quality on Friday brought back stage 3 curbs under the Graded Response Action Plan amid a rise in air pollution levels owing to unfavourable meteorological conditions, according to an official order. Delhi's air pollution levels showed an increasing trend and the 24-hour average air quality index (AQI) stood at 371 at 4 pm. According to forecasts from the India Meteorological Department and the Indian Institute of Tropical Meteorology, the air quality situation is predicted to deteriorate further owing to unfavourable meteorological conditions. The Commission for Air Quality Management, responsible for strategising air pollution mitigation in Delhi-NCR, directed authorities in the region to immediately implement curbs prescribed under stage 3 to prevent further worsening of the situation. Under Stage 3, the use of BS-III petrol and BS-IV diesel cars (four-wheelers) is restricted in Delhi and nearby NCR districts. Persons with disabilities are exempt.

Stage 3 also bans non-essential diesel-operated medium goods vehicles with BS-IV or older standards in Delhi.